भाद्रपद कृष्ण पक्ष-3-4, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 55 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

31 अगस्त 2026 सोमवार

आज का मौसम

27.4 अधिकतम

23.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

कांग्रेस पार्टी वंदेमातरम तो राहुल बाबा मनुस्मृति के ट्रैप में..!

वंदेमातरम को लेकर कांग्रेस अभी राजनीतिक विवाद से पूरी तरह बाहर भी नहीं निकल पाई है कि राहुल गांधी ने मनुस्मृति पर टिप्पणी करके एक और ऐसा मुद्दा सामने ला दिया है, जिसका असर केवल राजनीति तक सीमित रहने वाला नहीं है। पुणे में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में राहुल गांधी ने मनुस्मृति के उस प्रसिद्ध श्लोक का हवाला देते हुए कहा कि इसमें महिलाओं की स्वतंत्रता सीमित की गई है और उन्हें जीवन भर पिता, पति या पुत्र के अधीन रहने की बात कही गई है। उनके मुताबिक ऐसी सोच शर्मनाक है।

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

विवाद में घिरते राहुल

पार्ट -1

राहुल की इस व्याख्या ने उन्हें जिस राजनीतिक और वैचारिक बहस में धकेला है, वह शायद उनके अनुमान से कहीं बड़ी है। सवाल यह है कि क्या हजारों वर्ष पुराने किसी ग्रंथ के एक श्लोक की आज की दृष्टि से व्याख्या करके पूरे सनातन समाज और उसकी सामाजिक चेतना पर फैसला सुनाया जा सकता है? राहुल की टिप्पणी पर ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने भी तीखी आपत्ति जताई है। खास बात यह है कि हाल के दिनों में वे भाजपा और विशेषकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मुखर आलोचक रहे हैं। इसके बावजूद मनुस्मृति की इस व्याख्या पर उनका राहुल के खिलाफ खुलकर उतरना बताता है कि विवाद को केवल भाजपा बनाम कांग्रेस के चश्मे से देखना आसान नहीं होगा। शंकराचार्य का तर्क है कि जिस श्लोक का राहुल ने उल्लेख किया, उसका आशय महिलाओं को नियंत्रित करना नहीं, बल्कि उनकी सुरक्षा और दायित्व से जुड़ा है। उनका कहना है कि बेटी, बालिग होने तक पिता की जिम्मेदारी है और विवाह के बाद पति की। परिवार में उसके संरक्षण का दायित्व पुरुषों का है। शंकराचार्य ने राहुल की व्याख्या को अधूरी और आपत्तिजनक बताते हुए माफी की मांग भी की है।

राहुल के बयान के खिलाफ भाजपा नेता और सुप्रीम कोर्ट की वकील नाजिया खान ने एफआईआर भी दर्ज कराई है। उन्होंने राहुल गांधी के बयान को अदालत में चुनौती देने की बात भी कही है। यानी मामला अब राजनीतिक बयानबाजी से आगे कानूनी और धार्मिक विमर्श का रूप लेता दिखाई दे रहा है। लेकिन इस बहस का दूसरा पहलू भी कम दिलचस्प नहीं है। वरिष्ठ पत्रकार और दलित चिंतक दिलीप मंडल ने एक्स पर राहुल गांधी की आलोचना करते हुए बाइबल के Old Testament में Exodus, अध्याय 21, पद 7-8 का संदर्भ दिया है। मंडल ने उस प्रावधान का हवाला देते हुए सवाल उठाया कि यदि किसी प्राचीन धार्मिक ग्रंथ के किसी सामाजिक विधान को आज के समाज का आईना मान लिया जाए, तो क्या यही कसौटी दूसरे धर्मग्रंथों पर भी लागू की जाएगी?

यही असली सवाल है... आज का ईसाई समाज बाइबल के प्रत्येक प्राचीन सामाजिक प्रावधान को अक्षरशः लागू नहीं करता। उसी तरह आज का हिंदू समाज भी मनुस्मृति के प्रत्येक विधान को अपने सामाजिक जीवन का कानून नहीं मानता। आधुनिक भारत का सामाजिक और कानूनी जीवन संविधान से संचालित होता है, किसी एक प्राचीन स्मृति-ग्रंथ से नहीं। इसलिए मनुस्मृति के जिन अंशों को आज अप्रासंगिक माना जाता है, उन्हें अप्रासंगिक कहने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। लेकिन किसी ग्रंथ के विवादित अंशों को उठाकर पूरी सनातन परंपरा को कठघरे में खड़ा वैसा ही है जैसे किसी भी दूसरे धर्मग्रंथ के प्राचीन संदर्भ के आधार पर आज के पूरे समाज पर निर्णय सुना देना।

भारतीय परंपरा से करना होगा संवाद

विडंबना देखिए- कांग्रेस वंदेमातरम पर इतिहास की व्याख्या को लेकर घिरी हुई है और राहुल बाबा अब मनुस्मृति की व्याख्या के राजनीतिक ट्रैप में फंस गए हैं। राहुल गांधी यदि सचमुच भारत की सामाजिक चेतना को चुनौती देना चाहते हैं तो उन्हें एक श्लोक से शुरुआत न करते हुए , पूरी भारतीय परंपरा से संवाद करना होगा। क्योंकि सनातन को समझने के लिए मनुस्मृति पढ़ लेना भर पर्याप्त नहीं है। भारत किसी एक किताब का नाम नहीं है। भारत एक हजारों वर्षों की बहस, असहमति, आत्ममंथन और परिवर्तन की जीवंत परंपरा है।

दिल्ली में निर्भया कांड की याद... ग्रेटर नोएडा से बिठाया, कश्मीरी गेट पर उतारकर भागे

स्लीपर बस में 16 साल की छात्रा से गैंगरेप

47 किमी बस को दौड़ाते रहे ड्राइवर-कंडक्टर

नई दिल्ली, एजेंसी

- उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले की रहने वाली है पीड़ित
- परिवार में झगड़ा होने पर घर से निकली थी

राजधानी दिल्ली में एक और निर्भया कांड सामने आया है। एक स्लीपर बस में 16 वर्षीय छात्रा के साथ कथित तौर पर गैंगरेप की घटना हुई। परी चौक से कश्मीरी गेट के 47 किलोमीटर की दूरी के दौरान दो आरोपियों ने छात्रा के साथ हैवानियत की। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए बस के ड्राइवर और कंडक्टर को गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना कश्मीरी गेट इलाके में 4 अगस्त की रात को हुई थी जिसकी जानकारी पुलिस ने आज दी। फिलहाल, मामले में पुलिस ने बस के ड्राइवर कुलदीप और कंडक्टर संदीप को गिरफ्तार किया है। पीड़िता उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले की रहने वाली है और 11वीं कक्षा की छात्रा है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, छात्रा परिजनों से नाराज होकर बिना बताए घर से निकल गई थी और बस से नोएडा में रहने वाले अपने चचेरे भाई के पास जा रही थी। भारी बारिश और अंधेरे के कारण छात्रा गलती से ग्रेटर नोएडा के परी चौक पर उतर गई। इसी दौरान एक खाली स्लीपर बस वहां से गुजरी। छात्रा ने बस को रुकने का इशारा किया, जिसके बाद बस रुक गई। ड्राइवर-कंडक्टर ने उसे नोएडा सेक्टर-63 जाने की बात कहकर बस में बैठा लिया। पुलिस के अनुसार बस चलने के कुछ देर बाद कंडक्टर ने पीड़िता के साथ अश्लील हरकत शुरू कर दी। पीड़िता के मुताबिक, इसके बाद ड्राइवर और कंडक्टर ने उसके साथ रेप किया और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। आरोपी पीड़िता को देर रात कश्मीरी गेट बस अड्डे के पास रिंग रोड पर उतारकर फरार हो गए।

उल्लेखनीय है कि 14 साल पहले 16 दिसंबर 2012 की रात दिल्ली में 23 साल की युवती के साथ चलती बस में गैंगरेप किया गया। उसके प्राइवेट पार्ट में सरिया डाला गया था। गंभीर चोटों के चलते युवती को सिंगापुर रेफर किया गया, जहां 29 दिसंबर को अस्पताल में मौत हो गई। मामले में दिल्ली समेत पूरे देश में विरोध प्रदर्शन हुआ। मीडिया में इसे निर्भया केस नाम दिया गया।

बस का नंबर P-83 है जो फिरोजाबाद में रजिस्टर्ड है।

बस की खिड़कियों पर लगे थे पर्दे

घबराई हुई छात्रा ने कश्मीरी गेट पुलिस से संपर्क कर पूरी घटना की जानकारी दी। पुलिस ने दोनों आरोपियों को तिमारपुर की एक बस पार्किंग से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल स्लीपर बस को जब्त कर लिया है और उसकी फॉरेंसिक जांच कराई जा रही है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आरोपी बस में खराबी आने के बाद बस को सूरजपुर की वर्कशॉप में रिपेयरिंग के लिए लेकर गए थे। बस की रिपेयरिंग के बाद ड्राइवर और कंडक्टर खाली बस लेकर तिमारपुर जा रहे थे। इसी दौरान उन्हें ग्रेटर नोएडा के परी चौक पर छात्रा मिली। परी चौक से कश्मीरी गेट तक करीब 47 किलोमीटर का सफर बस ने तय किया। बस स्लीपर होने और पर्दे लगे होने के कारण किसी भी राहगीर को बस के अंदर का दिखाई नहीं दिया था। बस का नंबर UP-83 है जो फिरोजाबाद में रजिस्टर्ड है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को तिमारपुर की एक बस पार्किंग से गिरफ्तार किया। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल स्लीपर बस भी जब्त कर ली है।

उधर... दिल्ली के नामी स्कूल में नर्सरी की बच्ची का शोषण

दिल्ली के बवाना इलाके के एक नामचीन प्राइवेट स्कूल में तीन साल की छात्रा के यौन शोषण का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में स्कूल में काम करने वाले कैब ड्राइवर को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने नर्सरी में पढ़ने वाली बच्ची को चॉकलेट का लालच दिया और उसे कई बार गलत तरीके से छुआ। बच्ची की मां ने उसके व्यवहार में बदलाव देखा तो उससे इस बारे में पूछा। बच्ची ने मां को स्कूल में आने वाले एक 'बैड अंकल' के बारे में बताया। बच्ची आरोपी का नाम नहीं बता सकी, इसलिए उसके माता-पिता ने स्कूल प्रशासन को जानकारी दी। 24 अगस्त को स्कूल प्रशासन ने बच्ची को कई लोगों की तस्वीरें और सीसीटीवी फुटेज दिखाए। बच्ची ने इनमें आरोपी कैब ड्राइवर की पहचान की। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई और POCSO एक्ट की संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने इसके बाद आरोपी को स्कूल परिसर से गिरफ्तार कर लिया।

न्यूज विंडो

एथेनॉल ब्लेंडिंग पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट आज उस जनहित याचिका पर सुनवाई कर रहा है जिसमें देश के सभी पेट्रोल पंपों के नोजल और पेट्रोल बिल पर एथेनॉल की सटीक मात्रा यानी प्रतिशत लिखे होने की मांग की गई है। न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी. वराले की बेंच के सामने यह मामला है। याचिका नरेंद्र कुमार गोस्वामी की ओर से दायर की गई है। याचिका में केंद्र सरकार और संबंधित अधिकारियों को यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया है कि पेट्रोल पंपों की हर डिस्पेंसिंग नोजल पर एथेनॉल ब्लेंडिंग का प्रतिशत स्पष्ट रूप से लिखा जाए।

न्यूयार्क में तिरंगे का अपमान रिजिजू बोले-ये महंगा पड़ेगा

नई दिल्ली/न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क में भारतीय ध्वज के अपमान का मामला सामने आया है। मैडिसन स्क्वायर गार्डन में हुए कार्यक्रम का विरोध कर रहे कई लोगों ने प्रदर्शन किया था। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने विरोध में तिरंगे के अपमान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। रिजिजू ने रविवार रात एक्स पर घटना का वीडियो शेयर करते हुए लिखा- हमने हमेशा कहा है कि आरएसएस, बीजेपी या सरकार की आलोचना करने की आजादी है, लेकिन हमारे झंडे और मेरे देश का अपमान मत करो। यह बहुत महंगा पड़ेगा।

बढ़ रहा मंदाकिनी नदी का जलस्तर

चित्रकूट में बाढ़ के बाद एक बार फिर बारिश का कहर, नेशनल हाई-वे धंसा

चित्रकूट, एजेंसी

यहां रविवार रात से एक बार फिर शुरू हुई तेज बारिश ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। मंदाकिनी नदी का जलस्तर आरोग्य धाम के पास आज सुबह 137.05 मीटर दर्ज किया गया और इसमें लगातार बढ़ोतरी बताई जा रही है। पिंडरा के पास नेशनल हाइवे धंस गया। नदी के दोबारा बढ़ते जलस्तर और आसमान से बरस रही बारिश ने बाढ़ प्रभावित लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

बीते शनिवार मंदाकिनी में आई भीषण बाढ़ ने चित्रकूट में भारी तबाही मचाई थी। बाढ़ का पानी उतरने के बाद लोग अपने घरों और दुकानों को संभालने में जुटे ही थे कि दोबारा बारिश शुरू हो गई। ऐसे में बाढ़ प्रभावित इलाकों में रहने वाले लोगों को फिर से जलस्तर बढ़ने की आशंका सताने लगी है। लोगों का कहना है कि पिछले दिनों की तबाही के दृश्य अभी आंखों के सामने हैं और दोबारा बारिश ने भय का माहौल पैदा कर दिया है।

लगातार बारिश को देखते हुए कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस ने जिले की आपदा प्रबंधन टीम और सभी अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए हैं। ऐसे में चित्रकूट के लोगों की निगाहें मंदाकिनी के जलस्तर और आसमान पर टिकी हैं।

नेपाल में अब तक 919 की मौत 4200 से ज्यादा लोग लापता

काठमांडू। नेपाल में भोटेकोशी और त्रिशूली नदी की भीषण बाढ़ में अब तक 919 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 4,200 से ज्यादा लोग लापता हैं। प्रशासन के सामने बरामद शवों की पहचान और सुरक्षित रखने की बड़ी चुनौती है। चितवन के देवघाट जंगल में अज्ञात शवों को दफनाने के लिए सैकड़ों कब्रें तैयार की गई हैं। पिछले दो दिनों में 196 शव दफनाए जा चुके हैं। लंबे समय तक पानी में रहने से कई शव खराब हो गए हैं, जिससे पहचान मुश्किल हो रही है। हर शव को पहचान नंबर देकर उसका रिकॉर्ड रखा जा रहा है।

अमेरिका का ईरान पर एक महीने बाद फिर हमला, मिसाइलें दागीं

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने ईरान पर करीब एक महीने बाद फिर हमला किया है। ईरान के लारक द्वीप पर दो रॉकेट लॉन्चर्स को निशाना बनाया गया। लारक द्वीप होर्मुज स्ट्रेट के पास स्थित है। अमेरिका के मुताबिक, ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के जवान यहां से होर्मुज स्ट्रेट में रॉकेट और समुद्री बारूदी सुरंगें लॉन्च करने की तैयारी कर रहे थे। ईरानी सेना ने दावा किया कि इसमें कई सैनिक और नागरिक मारे गए, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। अमेरिकी हमले के कुछ समय बाद ईरान ने जॉर्डन में दो अमेरिकी एयरबेस पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागने का दावा किया।

सिंगर हत्याकांड: 2 शूटर एनकाउंटर में ढेर, पिता बोले-अभी सिर्फ आधा इंसाफ

शामली। हरियाणवी सिंगर अंकित बालियान हत्याकांड के दो शूटरों सुमित और मोहित को यूपी पुलिस ने आज सुबह मुठभेड़ में मार गिराया। शामली एसपी नरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि दोनों शूटर बाइक से शामली से सोनीपत (हरियाणा) की तरफ भाग रहे थे। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने उन्हें घेर लिया। पकड़े जाने के डर से आरोपियों ने फायरिंग कर दी। जवाब में पुलिस को भी फायरिंग करनी पड़ी। दोनों तरफ से करीब 20 राउंड गोलियां चलीं। इसमें बदमाश सुमित और मोहित को गोली लग गई। पुलिस दोनों को जिला अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

कनाडा में भागवत बोले- मदद करना भारत की परंपरा

विविधता ही हमारे देश की खूबसूरती, 'ये मेरा, वह तुम्हारा' की सोच से ऊपर उठना होगा

टोरंटो। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत आज टोरंटो में 'हिंदू विश्व बंधु' कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम में कहा कि मुश्किल वक्त में दूसरों की मदद करना भारत की पुरानी परंपरा रही है। दुनिया में कहीं भी संकट आया और भारत से मदद मांगी गई तो भारत ने कभी पीछे हटकर इनकार नहीं किया। कई बार भारत ने बिना मदद मांगे भी दूसरों की सहायता की है।

भागवत ने कहा- भारत में विविधता एकता के खिलाफ नहीं, बल्कि उसकी खूबसूरती है। देश में अलग-अलग जाति, पंथ, भाषाएं और संस्कृतियां हैं, लेकिन ये सभी एक ही समाज का हिस्सा हैं। उन्होंने विविधता को स्वीकार करने और उसका सम्मान करने की बात कही।

उन्होंने कहा कि 'ये मेरा, वो तुम्हारा' जैसी सोच से ऊपर उठने की जरूरत है। अलग-अलग रूप और पहचान के बावजूद सभी में एक ही दिव्यता है। इसलिए दूसरों को अलग या पराया मानने के बजाय सभी के साथ भाईचारे और सेवा की भावना रखनी चाहिए।

आज का कार्टून

मेट्रो एंकर

ओडिशा की कुमुदिनी की कहानी, ड्रोन से बदली 960 किसानों की खेती की तस्वीर

नौकरी गई तो खेत से शुरुआत... किसानों का समूह बना, कारोबार एक करोड़

भुवनेश्वर, एजेंसी

नौकरी छूटने के बाद आमतौर पर लोग दूसरी नौकरी तलाशते हैं, लेकिन ओडिशा की कुमुदिनी स्वैन ने घर लौटकर खेती को ही अपना नया रास्ता बनाया। दो एकड़ जमीन पर सब्जियां उगाने से शुरू हुआ उनका सफर अब 960 किसानों के समूह तक पहुंच चुका है। खास बात यह है कि इस समूह के करीब 70 प्रतिशत सदस्य महिलाएं हैं और इसकी सालाना आय एक करोड़ रुपए से अधिक बताई गई है। कुमुदिनी अब ओडिशा की 'ड्रोन दीदी' के नाम से पहचानी जाती हैं।

खोरधा जिले के सिरामपुर गांव की रहने वाली कुमुदिनी ने डेयरी क्षेत्र में काम किया था। कोरोना महामारी के दौरान नौकरी चली गई तो पति और दो बच्चों के साथ गांव लौटना पड़ा। परिवार के पास खेती की जमीन थी, इसलिए उन्होंने दो एकड़ में सब्जियां उगानी शुरू कीं। खेती के दौरान उन्हें महसूस हुआ कि अकेले किसान के सामने सबसे बड़ी समस्याएं लागत, मजदूरों की कमी और फसल बेचने के लिए सही बाजार की हैं। यहीं से उन्होंने कुछ अलग करने की सोची। उन्होंने आसपास के किसानों से बात शुरू की और उन्हें एक साथ आकर काम करने के लिए तैयार किया। शुरुआत में लोगों को भरोसा नहीं था। किसानों ने अपनी ओर से शेयर पूंजी जुटाई और वित्तीय सहायता लेकर समूह को आगे बढ़ाया। धीरे-धीरे यह प्रयास 'महीरा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड' में बदल गया। आज इसमें 960 किसान जुड़े हैं।

कुमुदिनी की पहल का अगला कदम खेती में तकनीक लाना था। वर्ष 2022 में उन्होंने कृषि ड्रोन चलाने की ट्रेनिंग ली और प्रमाणित ड्रोन पायलट बनीं। इसके बाद समूह ने ड्रोन के जरिए खेतों में तरल उर्वरक और कीटनाशक का छिड़काव शुरू किया। जिस काम में किसान को भारी टैंक पीठ पर लेकर खेत में घंटों घूमना पड़ता था, वही काम अब ड्रोन से लगभग छह मिनट में एक एकड़ में किया जा सकता है। एक ड्रोन एक दिन में करीब 25 एकड़ तक क्षेत्र में छिड़काव कर सकता है।

समाज में बदली पहचान

इस तकनीक का फायदा केवल समय बचाने तक सीमित नहीं है। कुमुदिनी के अनुसार ड्रोन से छिड़काव की लागत में 60 से 70 प्रतिशत तक कमी आई है। महिलाओं को खेत में कीटनाशक के सीधे संपर्क में भी कम आना पड़ता है। सबसे बड़ा बदलाव यह है कि जिन महिलाओं ने कभी मशीन नहीं चलाई थी, वे अब ड्रोन का रिमोट संभाल रही हैं। तकनीक ने उनके काम करने के तरीके के साथ-साथ समाज में उनकी पहचान भी बदली है। महीरा समूह ने खेती को केवल फसल उत्पादन तक सीमित नहीं रखा। किसानों को मशरूम उत्पादन, बकरी पालन, मुर्गी पालन और दूसरे छोटे व्यवसायों से भी जोड़ा गया। खेतों से निकलने वाले धान के पुआल को जलाने के बजाय मशरूम उत्पादन में इस्तेमाल किया जाने लगा। इससे कचरा कम हुआ और अतिरिक्त आमदनी का रास्ता भी बना। समूह ने किसानों की उपज को एकत्र कर बाजार तक पहुंचाने के लिए ई-नाम जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म का भी इस्तेमाल शुरू किया है।

कल तक यहां पसरी थी गंदगी, आज पिलरों पर बनीं इन पेंटिंग्स के साथ लोग रहे सेल्फी, हर किसी को तस्वीरों में दिख रही अपनी कहानी

ये आर्ट गैलरी नहीं, आंबेडकर फ्लाईओवर के पिलर पर उकेरा जिंदगी का फलसफा है

भोपाल। दोपहर मेट्रो

तस्वीरें बोलती हैं...राजधानी में ऐसी ही बोलती तस्वीरें शहरवासियों को अपनी ओर खींच रही हैं। एमपी नगर में आंबेडकर फ्लाईओवर के नीचे के बेजान पिलरों में अब जीवन के रंग भरे गए हैं। हर घर की कहानियों और खुशियों को रंगों में समाकर पिलरों पर उकेरा गया है। बचपन के खेल से लेकर परिवार, दोस्ती, दुल्हन के शृंगार तक के दृश्य लोगों को आकर्षित कर रहे हैं। पहली ही नजर में ऐसा रहा है कि मानो ये फ्लाईओवर के पिलर नहीं, आर्ट गैलरी हों। कल तक जिन पिलरों के नीचे धूल, कचरा, पोस्टर नजर आ रहे थे, अब वहां इस आर्ट गैलरी ने तस्वीर ही बदल दी है। लोग इन पेंटिंग्स को देखने के लिए रुक रहे हैं। सेल्फी ले रहे हैं और बच्चों की खुशियां देखते ही बन रही है। हर कोई इन पेंटिंग्स को देखकर अपनी कहानी याद कर रहा है।

हर पिलर पर जिंदगी की कहानी

यहां के बेजान और बदरंग पिलरों को रंगों से इस तरह सजाया गया है कि हर पिलर जिंदगी की एक कहानी कह रहा है। कहीं पिता के कंधे पर बैठी नन्ही बेटी चुप रहने का इशारा कर रही है, तो कहीं तीन बच्चे रस्सी कूदते हुए अपने बचपन को जी रहे हैं। इन तस्वीरों में जिंदगी के अलग-अलग रंग दिखाई दे रहे हैं।

दोस्ती और परिवार की झलक भी

एक दीवार पर दो सहेलियों की गपशप उकेरी गई है, जिसमें उनकी हंसी और सखी-सहेली वाला अंदाज एकदम असली लगता है। वहीं एक पिलर पर माता-पिता अपने नन्हे बच्चे के साथ घूमने निकले हैं। इसमें परिवार की खुशी और साथ घूमने का सुकून झलकता है।

दुल्हन की पेंटिंग खींच रही सबसे ज्यादा ध्यान

सबसे ज्यादा ध्यान सजी-संवरी दुल्हन की पेंटिंग खींच रही है। लाल जोड़े में सजी दुल्हन का चेहरा और पारंपरिक शृंगार देखकर हर कोई कुछ पल रुककर उसे निहार रहा है। पेंटिंग में भारतीय संस्कृति की खूबसूरत झलक दिखाई दे रही है।

पार्षद के खिलाफ की आपत्तिजनक पोस्ट, आरोपी को जेल भेजा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

वार्ड-35 की भाजपा पार्षद पूजा शर्मा के खिलाफ फेसबुक पर आपत्तिजनक पोस्ट के मामले में पुलिस ने कुम्हारपुरा के राजेश प्रजापति (42) को गिरफ्तार किया है। उसे आईटी एक्ट समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर जेल भेज दिया। मंगलवारा पुलिस के मुताबिक पोस्ट में पार्षद शर्मा को सांसद निधि से मिलने वाली 5 हजार रुपए को लेकर निशाना बनाया गया था। कमेंट में भी पार्षद के खिलाफ कई आपत्तिजनक टिप्पणियां की गई थी। पार्षद ने इसकी शिकायत की थी।

संपत्तिकर में 6% छूट का आज आखिरी दिन, ऑनलाइन करें पेमेंट

भोपाल। दोपहर मेट्रो

नगर निगम द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के संपत्तिकर पर दी जा रही 6 प्रतिशत की विशेष छूट का आज अंतिम दिन है। करदाता संपत्तिकर जमा कर छूट का लाभ उठा सकेंगे। इसके लिए वार्ड कार्यालयों के साथ ऑनलाइन भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। निगमायुक्त संस्कृति जैन ने राजस्व अमले को अधिक से अधिक करदाताओं को संपत्तिकर जमा कराने के निर्देश दिए हैं। करदाता किसी भी वार्ड कार्यालय में संपत्तिकर सहित अन्य कर जमा कर सकते हैं। प्रशासन ने लोगों से समय पर भुगतान करने की अपील की है।

यह अलार्मिंग हालात हैं: 2025 में ही सबसे ज्यादा काटे गए 10 हजार पेड़

कॉन्क्रीट के जंगल में बदल रहा शहर निगम क्षेत्र में 15% जमीन पर ही पेड़

भोपाल। दोपहर मेट्रो

झीलों और हरियाली में सिमटे शहर को कंक्रीट के जंगल में बदला जा रहा है। विकास परियोजनाओं के नाम पर हरे-भरे पेड़ों की कुर्बानी दी जा रही है। यही कारण है कि नगर निगम की सीमा के अंदर महज 15% हिस्से में भी पेड़ बचे हैं। यूं तो प्रदेश में औसत ग्रीन कवर 25 फीसदी है, लेकिन राजधानी इससे 10 प्रतिशत तक पीछे है। आलम यह है कि महज 2015-17 के बीच ही राजधानी भोपाल में 25.33 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र खत्म हो चुका है। सबसे बुरी हालत 2025 में हुई है। 2022, 23 और 24 में कुल मिलाकर जितने पेड़ काटे गए, उससे काफी ज्यादा इस 2025 में ही काट दिए गए। सरकारी आंकड़ों के साथ 'स्मार्ट सर्फेसेंज कोएलिशन' व टेरी की पर्यावरण रिपोर्ट के विश्लेषण से पता चलता है कि पेड़ कटने की रफ्तार यदि नहीं रुकी तो आने वाले चार साल में भोपाल में 4 प्रतिशत हरियाली ही बचेगी। यही कारण रहा कि लगातार कम होते पेड़ों के कारण इस बार गर्मी में अधिकतम पारा 46 डिग्री से ऊपर तक पहंचा।

यह तस्वीर मिंटो हॉल के सामने की है। जब दशकों पुराने पेड़ों को मेट्रो के ब्लू लाइन रूट के लिए काटे गए थे। *(फाइल फोटो)*

निगम बोला-कटे पेड़ों की एवज में यहां लगाए, लेकिन यह सब शहर के बाहर

कलियासोत डैम के पीछे: मेट्रो के पहले फेज (एम्स से सुभाष नगर व करौंद) के दौरान काटे पेड़ों की भरपाई कलियासोत वन्यप्राणी कॉरिडोर और मेंडोरा के पास की पहाड़ी ढलानों पर 60,000 से अधिक पौधे रोपे हैं।

भानपुर खंती: भानपुर की पुरानी डंपिंग साइट और छोला-भानपुर बायपास किनारे खाली जमीनों पर करीब 40,000 पौधे लगाए।

लहारपुर ईकोलॉजिकल पार्क: कटारा हिल्स के पास लहारपुर डैम के कैचमेंट में 25,000 पौधे रोपे।

करौंद और बैरसिया रोड बायपास: भदभदा से करौंद मेट्रो रूट में आने वाले पेड़ों के एवज में करौंद व लांबाखेड़ा के पास बायपास के दोनों ओर 25,000 पौधे लगाए।

अयोध्या बायपास: यहां पर काटे गए पेड़ों के एवज में झिरनिया के पास पौधे लगाए जाएंगे।

पौधे तो लगाए, जीवित कितने हैं निगम के पौधरोपण करने के जवाब के साथ ही सवाल खड़े हो रहे हैं कि पौधे तो हजारों की संख्या में लगाए, लेकिन इसमें जीवित कितने हैं?

इन प्रोजेक्ट्स में गायब हो गई हरियाली

एनएचएआई (आसाराम चौराहे से रत्नागिरी): 2025 में हाईवे प्रोजेक्ट ने सबसे ज्यादा 7,871 पेड़ निगल लिए।

भोपाल मेट्रो: 2022 में 1,463 पेड़ और 2025 में 487 पेड़ काटे।

सड़क 11 मील- बगरसिया: 2024 में चौड़ीकरण में 1,377 पेड़ों की बलि।

अन्य प्रोजेक्ट्स: शूटिंग अकादमी में 375 पेड़, मिंटो हॉल टूरिज्म प्रोजेक्ट में 250 पेड़ और स्मार्ट सिटी भोपाल के तहत 2022 में 172 पेड़ काटे।

पांच साल में नगर निगम ने इतने पेड़ काट दिए

साल:	कटे पेड़ों की संख्या
2021	929
2022	2126
2023	2707
2024	2370
2025	9857

यानी, पांच साल में नगर निगम 18 हजार पेड़ काटे।

अब नगर निगम के जिम्मेदार कह रहे हैं कि शहर में ग्रीनरी बढ़ाने के लिए इस साल हम करीब डेढ़ लाख पौधे रोप रहे हैं। इन पौधों की तीन साल तक देखभाल भी की जाएगी।

बड़ी झील के पानी की सीमा की फोटोग्राफी

भदभदा के गेट खुलने के पहले कैचमेंट के अतिक्रमण की जांच

भोपाल। दोपहर मेट्रो

बड़ी झील फुल टैंक लेवल से करीब एक फीट दूर है। ऐसे में जिला प्रशासन ने भदभदा के गेट खुलने से बड़ी झील के कैचमेंट एरिया में हुए अतिक्रमण की जांच कराने की तैयारी शुरू कर ली हैं। झील में कहां तक पानी भरा है, इन सब का पता करने के लिए प्रशासन ड्रोन की मदद से फोटोग्राफी व वीडियो करवाएगा। नगर निगम प्रशासन की ओर से कैचमेंट में बने अवैध निर्माणों को तोड़ने के लिए नोटिस दिए गए थे। इस पर लोगों आपत्ति कलेक्ट्रेट में दर्ज कराई थी। इसके बाद कैचमेंट एरिया में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पर रोक लगा दी थी। अब प्रशासन झील के फुल होने का इंतजार कर रहा था।

दरअसल, भदभदा डैम के गेट हर साल 1666.80 फीट के जलस्तर पर खोले जाते हैं। फुल टैंक लेवल (एफटीएल) से पहले डूब क्षेत्र में बने बड़े फार्म हाउस, रिसॉर्ट और अन्य निर्माणों को पानी में डूबने से बचाया जाता है। चार साल पहले जलस्तर 1666.80 फीट तक पहुंच गया था, उस समय झील के कैचमेंट क्षेत्र में बने अस्पतालों, होटलों और 200 से अधिक मकानों में पानी भर गया था। अब इसी कड़ी में प्रशासन जांच कराने की तैयारी में है। जांच के साथ ही वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी।

अब तक चिह्नित अतिक्रमण ही नहीं हटा सका प्रशासन

जिला प्रशासन ने फरवरी माह में बड़ी झील का सीमांकन कराया था। ये अतिक्रमण 16 मार्च 2022 के बाद से किए गए थे। अभी 289 अतिक्रमण बचे हैं, जिन्हें हटाया जाना है। सात महीने में जिम्मेदार अब तक यही अतिक्रमण नहीं हटा सके।

अफसरों को दिए निर्देश

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा का कहना है कि बड़ी झील के फुल होने के बाद कैचमेंट एरिया में ड्रोन से फोटो और रिकॉर्डिंग की जाएगी। इससे अतिक्रमण का पता चल सकेगा। भदभदा के गेट खुलने से पहले यह काम करवाया जाएगा। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है।

महज दो घंटे में ही निगम ने किए 6 प्रतिष्ठान बंद

रचना नगर में जूंबा डांस हाउस सील रहवासी क्षेत्र में कारोबार पर कार्रवाइ

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर के रहवासी इलाकों में कमर्शियल एक्टिविटी करने पर सोमवार सुबह 9 बजे से सीलिंग की कार्रवाई शुरू हो गई है। रचना नगर में जूंबा डांस हाउस को सील कर दिया गया। वहीं, सर्वधर्म, अरेरा कॉलोनी, खानूगांव में 2 घंटे के अंदर ही 6 प्रतिष्ठान बंद कराए गए।

सभी प्रतिष्ठान पर तख्तियां लगाई गई हैं। जिसमें नगर निगम के आदेश पर भवन में व्यवसायिक गतिविधियां बंद होने का उल्लेख है। निगम की टीमें पहुंचने से पहले ही कई जगहों पर लोगों ने खुद ही अपने प्रतिष्ठान बंद कर दिए। ई-3 अरेरा कालोनी में सीलिंग की कार्रवाई शुरू की गई।

रचना नगर में जुंबा डांस क्लास सील करती नगर निगम की टीम।

कार्रवाई के दौरान दुकानदारों ने मोहलत मांगी। निगम अफसरों ने कहा कि पहले ही मोहलत दी गई थी। अब तक सर्वधर्म बी सेक्टर स्थित क्लियर होटल को बंद कराया गया। गौतम नगर में एक संचालक ने होटल खुद ही बंद कर दी। ई-3 अरेरा कॉलोनी में सीलिंग की कार्रवाई शुरू की गई।

साइबर ठगोरों ने फिर दो लोगों को बनाया निशाना, केस दर्ज

बिजली बिल ठीक कराने और डॉलर देने के नाम पर 1.61 लाख की साइबर ठगी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

कोहेफिजा थाना क्षेत्र में बिजली बिल ठीक कराने का झांसा देकर साइबर जालसाज ने मप्र बिजली कंपनी के सेवानिवृत्त उप यंत्री के खाते से 1 लाख 13 हजार 900 रुपए निकाल लिए। आरोपी ने 12 रुपए का भुगतान कराने के लिए लिंक भेजी और खाते से रकम ट्रांसफर हो गई। साइबर क्राइम की जांच के बाद खाता फ्रीज कर प्रतिवेदन कोहेफिजा पुलिस को भेजा गया, जहां केस दर्ज किया गया। पुलिस के अनुसार 76 वर्षीय महेंद्र कुमार गुप्ता को 20 अगस्त को बिजली बिल की समस्या बताकर आरोपी ने संपर्क किया। उसने आईवीआरएस नंबर बदलने और 12 रुपए भुगतान के नाम पर लिंक भेजी। भुगतान नहीं होने पर पत्नी के मोबाइल पर लिंक भेजने को कहा। अगले दिन बैंक पहुंचने पर खाते से रकम निकलने की जानकारी मिली।

कोलार में भी आईटी प्रोफेशनल्स से ठगी

इसी तरह कोलार में आईटी कंपनी में कार्यरत 34 वर्षीय प्रिया सक्सेना से अमेरिकी डॉलर देने का झांसा देकर 47 हजार 300 रुपए ठग लिए गए। एक परिचित के जरिए उसे नंबर मिले थे। इस नंबर पर संपर्क कर प्रिया ने डॉलर के लिए रकम दी, लेकिन आरोपी ने डॉलर नहीं दिए। दोनों मामलों में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जांच में जुटी हबीबगंज पुलिस

स्क्रैप कारोबारी ने की आत्महत्या, घर लौटी पत्नी ने देखा फंदे पर लटका शवं

भोपाल। दोपहर मेट्रो

हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित 12 नंबर मल्टी (इंद्रा नगर) में शनिवार रात 50 वर्षीय स्क्रैप कारोबारी ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान गोपाल कनाडे पिता फत्तु कनाडे के रूप में हुई है। घटना के समय वह घर में अकेले थे। आत्महत्या के कारणों का फिलहाल पता नहीं चला है। हबीबगंज पुलिस ने रविवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया और मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार गोपाल कनाडे के परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक बेटी हैं। घटना के समय पत्नी मायके में थी। दोनों बच्चे घर से बाहर थे। शाम करीब 7 बजे गोपाल ने घर में रस्सी का फंदा बनाकर खिड़की के सहारे फांसी लगा ली। देर रात पत्नी मायके से वापस लौटीं तो घर का मेन गेट खुला था और गोपाल का शव फंदे पर लटका मिला।

सुसाइड नोट नहीं मिला

सूचना पर पहुंची हबीबगंज पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस परिजनों से पूछताछ कर रही है।

मेट्रो एंकर | गांधी भवन में हुए विवाद के दौरान पुलिस को संभालना पड़ा मामला

स्कूल ठीक करो अभियान को लेकर सीजेपी ने की बैठक तो कुछ छात्रों ने मचाया हंगामा, लगाए नारे-यह दिल्ली नहीं, भोपाल है...

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल में सरकारी स्कूलों के ऑडिट को लेकर रविवार रात गांधी भवन में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की बैठक में हंगामा हो गया। बैठक के दौरान कुछ छात्र और युवा पहुंचे। उन्होंने अभियान से जुड़े लोगों की बात सुनने के बाद स्कूल ऑडिट और सीजेपी की गतिविधियों को लेकर सवाल किए। बातचीत से विवाद बढ़ा और कुछ छात्रों ने नारेबाजी शुरू कर दी। उन्होंने नारे लगाए 'यह दिल्ली नहीं, भोपाल है', 'कॉकरोच पार्टी मुर्दाबाद' और 'तानाशाही नहीं चलेगी' जैसे नारे लगाए। हंगामे की सूचना पर भारी पुलिस बल गांधी भवन पहुंचा। पुलिस ने छात्रों और युवाओं को समझाया। इसके बाद मामला शांत हुआ। बता दें, सीजेपी पूरे देश में स्कूल ठीक करो अभियान चला रही है। उसका कुछ संगठन और छात्र विरोध भी कर रहे हैं।

काली टी-शर्ट पहनकर आए थे कुछ युवक

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, छात्रों का एक समूह बैठक के दौरान अंदर पहुंचा। इनमें कुछ छात्र काली टी-शर्ट पहने हुए थे। उन्होंने सीजेपी प्रतिनिधियों से स्कूलों के ऑडिट को लेकर सवाल किए। दिल्ली में हुए पिछले प्रदर्शनों और संगठन की गतिविधियों को लेकर भी सवाल उठाए गए। छात्र अंश पुरोहित ने कहा कि वे किसी समुदाय या राजनीतिक दल के खिलाफ नहीं हैं। वे पुलिस और सेना का सम्मान करते हैं और किसी भी तरह की हिंसा का समर्थन नहीं करते।

विरोध करने वाले बोले- सवाल पूछने आए थे

छात्रों का कहना था कि वे बैठक में विरोध करने नहीं, बल्कि चर्चा सुनने और सवाल पूछने आए थे। अंश ने कहा कि दिल्ली में हुए विवादों के बाद भोपाल में अभियान चलाते समय ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए क्या कदम उठाए जाएंगे, यह भी जानना जरूरी है। छात्रों ने कुछ गतिविधियों को 'एंटीनेशनल' बताते हुए सीजेपी अभियान के उद्देश्य पर जवाब मांगा। बातचीत के दौरान छात्रों ने आरोप लगाया कि उनके हाथ से माइक लेने की कोशिश की गई। अंश के मुताबिक, ऐसा कई बार हुआ।

रिश्ता बनाने के लिए बना रहा था दबाव

छेड़छाड़ में भाजपा नेता के भाई पर केस, मैसेज से गलत बातें करता था

भोपाल। दोपहर मेट्रो

कोतवाली थाना क्षेत्र में 22 साल की युवती की शिकायत पर भाजपा नेता के भाई के खिलाफ छेड़छाड़ और एससी/एसटी एक्ट में केस दर्ज किया गया है। युवती पीरगेट स्थित एक क्लीनिक में रिसेप्शनिस्ट है। आरोप है कि आरोपी पिछले कुछ समय से उसे परेशान कर रहा था और जबरन रिश्ते के लिए दबाव बना रहा था। शिकायत में युवती ने बताया कि आरोपी अशोक अवस्थी ने मोबाइल पर मैसेज भेजकर अनुचित बातें कीं और रिश्ता बनाने का दबाव डाला। विरोध करने और मामले की जानकारी सामने लाने की बात कहने पर आरोपी ने मैसेज डिलीट कर दिए। इसके बाद भी उसने युवती का पीछा नहीं छोड़ा और क्लीनिक पहुंचकर दबाव बनाने का आरोप है। युवती ने थाने में पहुंचकर आरोपी के खिलाफ लिखित शिकायत दी।

सुसाइड नोट नहीं मिला

पुलिस ने शिकायत और उपलब्ध जानकारी के आधार पर आरोपी अशोक अवस्थी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी भाजपा नेता का भाई बताया जा रहा है। मामले में पुलिस अन्य तथ्यों की भी जांच कर रही है।

सावन में हुआ मिलावट का महाखेल, 73 सैंपल अमानक और 25 असुरक्षित

मप्र में 44 हजार लीटर दूध जब्त, घी में पाम ऑयल मिला तो मचा हड़कंप

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सावन के महीने में दूध, घी, पनीर और मावे की मांग बढ़ते ही मध्य प्रदेश में खाद्य पदार्थों में मिलावट का बड़ा खेल सामने आया है। खाद्य सुरक्षा विभाग के विशेष अभियान में लिए गए 2,605 वैधानिक नमूनों में से अब तक 680 की जांच रिपोर्ट प्राप्त हुई है। इनमें 73 नमूने अमानक और 25 असुरक्षित पाए गए हैं। सबसे गंभीर स्थिति घी के नमूनों में सामने आई है, जहां कई ब्रांड के घी में पाम ऑयल और वनस्पति वसा जैसी मिलावट पाए जाने की जानकारी सामने आई है।

आयुक्त खाद्य सुरक्षा के निर्देश पर 20 जुलाई से 25 अगस्त तक प्रदेशभर में विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान खाद्य सुरक्षा टीमों ने करीब 44,407 लीटर दूध और दूध से बने उत्पाद जब्त किए। कार्रवाई में कुल 11.73 लाख किलो खाद्य सामग्री जब्त की गई, जिसकी अनुमानित कीमत 5.61 करोड़ रुपये बताई गई है। विभाग ने 2,605 वैधानिक नमूनों के अलावा 2,037 निगरानी नमूने भी लिए हैं। इस तरह कुल 4,642 नमूनों की जांच प्रक्रिया शुरू की गई है।

घी में पाम ऑयल और वनस्पति वसा की मिलावट

अभियान में घी की गुणवत्ता सबसे ज्यादा सवालों के घेरे में आई है। गोवर्धन, द्वारकेश, शगुन, भूमि, दानेदार, धौलपुर फ्रेश, वास्तु और गोपीश्री सहित कई ब्रांड के नमूने जांच में असुरक्षित पाए गए हैं। जांच में पाम ऑयल और वनस्पति वसा सहित अन्य मिलावट की जानकारी सामने आई है। ऐसे घी का सेवन स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है।

भोपाल में घी के 13 नमूने असुरक्षित

राजधानी भोपाल में मिलावट के खिलाफ हुई कार्रवाई में घी के नमूने सबसे अधिक चिंताजनक पाए गए। यहां 13 नमूने असुरक्षित मिले हैं। जांच में पाम ऑयल, वनस्पति वसा और सीसे जैसी मिलावट सामने आने की जानकारी दी गई है। संबंधित विक्रेताओं के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में पेश करने की तैयारी है।

601 घी, 296 पनीर और 106 मावे के नमूने

अभियान के दौरान 849 दूध, 601 घी, 296 पनीर, 106 मावा और 382 अन्य दुग्ध उत्पादों के नमूने लिए गए। 25 से अधिक संदिग्ध घी ब्रांड भी जांच के दायरे में हैं। मिलावट पाए जाने पर 18 लाइसेंस और पंजीयन निरस्त किए गए हैं, जबकि 172 नोटिस जारी किए गए। खाद्य सुरक्षा विभाग ने लोगों से पैकेज्ड घी, पनीर और मिठाई खरीदते समय खाद्य सुरक्षा लाइसेंस या पंजीयन नंबर, निर्माण और समाप्ति तिथि जांचने की अपील की है। फूला, फटा या टूटी सील वाला पैकेट न खरीदें। संदिग्ध खाद्य सामग्री खरीदने पर बिल लें और पैकेट व लेबल की तस्वीर सुरक्षित रखें। गंदगी में खाद्य सामग्री तैयार या परोसी जा रही हो तो विभाग को सूचना दें।

ग्वालियर और चंबल संभाग में पहली बार हुआ किडनी ट्रांसप्लांट

ग्वालियर। प्रदेश के सभी अंचलों में उच्चस्तरीय और अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए राज्य शासन निरंतर प्रयासरत है। इसी दिशा में ग्वालियर के गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में ग्वालियर और चंबल संभाग के किसी शासकीय चिकित्सीय संस्थान में पहली बार किडनी ट्रांसप्लांट की सफल प्रक्रिया पूरी होना महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने इस उपलब्धि पर गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय, सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल की पूरी चिकित्सा टीम और विशेषज्ञों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में जटिल और अत्याधुनिक उपचार सुविधाओं का विस्तार सरकार की प्राथमिकता है। अंग प्रत्यारोपण जैसी आधुनिक चिकित्सा सुविधा का ग्वालियर में शुरू होना इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश के बड़े शहरों के साथ-साथ विभिन्न अंचलों में भी गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को लगातार मजबूत किया जा रहा है।

चीनी आयात पर सरकार का दांव, बंद पड़ी मिलों पर चुप्पी!

10 लाख टन चीनी आयात के बीच मप्र की जर्जर चीनी मिलों पर सवाल, दो बार संचालन की कोशिश नाकाम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

देश में चीनी की कीमतें बढ़ने के बीच सरकार ने बाजार में सप्लाई बनाए रखने के लिए 10 लाख टन चीनी आयात करने का फैसला किया है। दूसरी ओर, मध्य प्रदेश की कई चीनी मिलें वर्षों से बंद हैं और उनकी मशीनरी व परिसंपत्तियां जर्जर हो रही हैं। मुरैना की कैलारस शुगर मिल को दोबारा शुरू कराने की मांग को लेकर कांग्रेस विधायक पंकज उपाध्याय के आमरण अनशन ने इस मुद्दे को फिर चर्चा में ला दिया। सरकार के आश्वासन के बाद अनशन खत्म हो गया, हालांकि, विधायक और संगठन इससे संतुष्ट नहीं हैं। वजह यह है कि मिल को शुरू करने के लिए सरकार 2017 के बाद दो बार प्रयास कर चुकी है, लेकिन दोनों बार मामला कागजी प्रक्रिया से आगे नहीं बढ़ पाया।

15 साल में 6 शुगर फैक्ट्रियां बंद हो गईं

कैलारस मिल का मामला अकेला नहीं है। मध्य प्रदेश की छह बड़ी चीनी मिलें वर्षों से बंद हैं। इससे उनसे जुड़े किसान, कर्मचारी और स्थानीय कारोबार प्रभावित हुए हैं।

1. भोपाल शुगर इंडस्ट्रीज, सीहोर

इतिहास: इसकी स्थापना 1937 में भोपाल के अंतिम नवाब हमीदुल्लाह खान ने की थी, बाद में यह मुंबई के वाधवाना समूह के पास चली गई। इसकी क्षमता 1,250 TCDथी।

बंद होने की वजह: 1994 से प्रबंधन-मजदूर विवाद शुरू हुए। प्रबंधन पर मिल को जानबूझकर घाटे में दिखाकर बीमार इकाई घोषित करने के आरोप लगे। 2002-03 में मिल बंद हो गई।

विवाद: मिल के पास 4,365 एकड़ से अधिक कृषि भूमि है। आरोप है कि प्रबंधन ने भू-माफियाओं के साथ मिलकर जमीन बेची और कॉलोनियां विकसित कीं।

कैलारस मिल को लेकर फिर गरमाई सियासत

डबरा शुगर मिल, ग्वालियर के सिंधिया रियासत की विरासत

इतिहास: 1940 में सिंधिया रियासत के दौरान स्थापित इस मिल को तत्कालीन ग्वालियर राज्य ने जमीन दी थी। इसकी क्षमता 1,250 अष्टष्ठ थी।

बंद होने की वजह3 वित्तीय संकट के चलते किसानों को गन्ने का भुगतान समय पर नहीं मिला। इसके बाद किसानों ने गन्ने की जगह दूसरी फसलें लेना शुरू कर दिया। कच्चे माल की कमी से मिल बंद हो गई। अब इसकी मशीनरी और जमीनें विवाद में हैं। डबरा चीनी मिल संघर्ष समिति के संजीव राजपूत कहते हैं कि मिल सरकार की उदासीनता के कारण बंद हुई है।

द मालवा सहकारी शक्कर कारखाना, बरलाई (इंदौर)

इतिहास: नवंबर 1980 में स्थापित यह प्रदेश की बड़ी सहकारी चीनी मिलों में से एक थी। इंदौर, देवास और उज्जैन के 10,000 किसानों के अंशदान से बनी मिल की क्षमता 1,250 TCD थी।

बंद होने की वजह: 2001 के सूखे से गन्ने का उत्पादन घटा। कुप्रबंधन और करोड़ों के कर्ज के बीच 2002-03 में सरकार के आदेश पर मिल बंद कर दी गई। मिल पर सरकार का ?165 करोड़ कर्ज दर्ज है और किसान अपने अधिकारों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

नारायणपुरा मिल, गुना

इतिहास: वर्ष 2000 में सहकारिता मॉडल पर स्थापित इस मिल की क्षमता 2,500 क्विंटल प्रतिदिन थी। इससे 3,000 हेक्टेयर क्षेत्र के किसान जुड़े थे।

बंद होने की वजह: बैंक कर्ज और बढ़ते ब्याज से मिल घाटे में चली गई। किसानों का भुगतान अटकने पर उन्होंने गन्ने की खेती बंद कर दी। इसके बाद 2017-18 में मिल बंद हो गई।

ताजा स्थिति: जुलाई 2026 में गुना कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने तकनीकी टीम के साथ मिल का निरीक्षण किया। उन्होंने इसे दोबारा शुरू करने के लिए विशेष एक्शन प्लान की बात कही।नारायणपुरा शक्कर मिल संगठन के

क्या मप्र की मिलें बंद होने से चीनी के दाम बढ़े?

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, मप्र की मिलों के बंद होने को चीनी की मौजूदा कीमतों की सीधी वजह नहीं माना जा सकता। कीमतों पर मौसम, एक्सपोर्ट पॉलिसी और त्योहारों की मांग जैसे राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय कारकों का असर है। व्यापारी संघ के पदाधिकारी विवेक साहू के मुताबिक फएथेनॉल ब्लेंडिंग बढ़ने से गन्ने का एक हिस्सा चीनी उत्पादन से हट रहा है। वहीं सरकार के अनुसार, एथेनॉल के लिए डायवर्ट होने वाली चीनी का हिस्सा 2022-23 के 12ब से घटकर 2025-26 में करीब 9ब रह गया है। इसलिए एथेनॉल डायवर्जन को कीमत बढ़ने की एकमात्र वजह नहीं माना जा सकता।

बारिश से गन्ने को नुकसान: अत्यधिक बारिश से गन्ने की फसल प्रभावित हुई और शुगर रिकवरी रेट 12ब से नीचे आ गई। यानी 100 किलो गन्ने से पहले की तुलना में कम चीनी बनी और कुल उत्पादन घटा।

एथेनॉल में डायवर्जन: एथेनॉल ब्लेंडिंग पॉलिसी के तहत गन्ने और शीरे का एक हिस्सा चीनी के बजाय एथेनॉल उत्पादन में गया। इससे बाजार में चीनी की उपलब्धता प्रभावित हुई।

एक्सपोर्ट से घटा घरेलू स्टॉक: सरकार ने नवंबर 2025 और फरवरी 2026 में कुल 20 लाख टन चीनी निर्यात की अनुमति दी। मई 2026 में रोक लगने तक करीब 8 लाख टन चीनी निर्यात हो चुकी थी।

सीएम मोहन यादव कल देंगे 25-25 हजार रुपये

1.22 लाख मेधावी विद्यार्थियों को मिलेगा लैपटॉप का तोहफा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के मेधावी विद्यार्थियों का आधुनिक तकनीक से जुड़ने का सपना जल्द पूरा होने जा रहा है। कक्षा 12वीं की परीक्षा में प्रथम प्रयास में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक हासिल करने वाले प्रदेश के करीब 1 लाख 22 हजार विद्यार्थियों को सरकार लैपटॉप खरीदने के लिए 25-25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 1 सितंबर को भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों के खातों में राशि का अंतरण करेंगे।

304 करोड़ 98 लाख रुपये से अधिक होंगे अंतरित- स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा संचालित प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के तहत पात्र विद्यार्थियों को यह राशि दी जा रही है। इस वर्ष लगभग 1 लाख 22 हजार विद्यार्थियों को योजना का लाभ मिलेगा। प्रत्येक विद्यार्थी के खाते में 25 हजार रुपये के हिसाब से कुल 304 करोड़ 98 लाख 50 हजार रुपये से अधिक की राशि अंतरित की जाएगी। सरकार का उद्देश्य मेधावी विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए जरूरी डिजिटल संसाधन उपलब्ध कराना है।

प्रदेश सरकार ने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने और उन्हें आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए यह योजना शुरू की है। कक्षा 12वीं में प्रथम प्रयास में निर्धारित अंक हासिल करने वाले विद्यार्थियों को लैपटॉप खरीदने के लिए आर्थिक सहायता दी जाती है। इससे विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा की तैयारी के साथ-साथ डिजिटल माध्यमों का बेहतर उपयोग करने का अवसर मिलेगा।

ऑनलाइन पढ़ाई और ई-लर्निंग में मिलेगी मदद

लैपटॉप मिलने के बाद विद्यार्थी ऑनलाइन अध्ययन, डिजिटल पाठ्य सामग्री, ई-लर्निंग, शैक्षणिक पाठ्यक्रम और विभिन्न तकनीकी संसाधनों का उपयोग कर सकेंगे। इससे उनकी पढ़ाई का दायरा बढ़ेगा और वे देश-दुनिया में उपलब्ध शैक्षणिक सामग्री तक आसानी से पहुंच बना सकेंगे। सरकार का मानना है कि डिजिटल संसाधन आज की शिक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। सरकार की यह पहल केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों की प्रतिभा को तकनीकी संसाधनों से जोड़ने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। लैपटॉप के माध्यम से विद्यार्थी उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में भी डिजिटल साधनों का उपयोग कर सकेंगे। योजना से बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को शिक्षा के आधुनिक माध्यमों से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

यूसीसी: सिंघार का ऐलान, 2028 में कांग्रेस की सरकार बनी तो खत्म करेंगे काला कानून

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में समान नागरिक संहिता को लेकर सियासी टकराव और तेज हो गया है। विधानसभा में यूसीसी विधेयक पारित होने के बाद अब नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इसे लेकर बड़ा बयान दिया है।

भोपाल में विधायक आरिफ मसूद की ओर से आयोजित जंगे आजादी-उलेमा की कुर्बानी कार्यक्रम में भाषण के दौरान सिंघार ने कहा कि 2028 में कांग्रेस की सरकार बनी तो यूसीसी के इस कानून को खत्म कर दिया जाएगा। उन्होंने इसे काला कानून बताते हुए इसे वापस लेने की बात कही। सिंघार के इस बयान के बाद मध्यप्रदेश की राजनीति में यूसीसी एक बार फिर बड़े राजनीतिक मुद्दे के रूप में सामने आ गया है। मध्यप्रदेश सरकार ने 20 जुलाई को विशेष मंत्रिमंडल बैठक में समान नागरिक संहिता विधेयक-2026 को मंजूरी दी थी। इसके अगले दिन 21 जुलाई को विधानसभा में विधेयक पारित कर दिया गया। विपक्षी कांग्रेस विधायकों ने विधेयक को प्रवर समिति के पास भेजने की मांग की थी और विरोध में सदन के अंदर हंगामा भी हुआ था। विधेयक के प्रमुख प्रावधानों में बहुविवाह पर रोक, विवाह का अनिवार्य पंजीयन और साथ रह रहे जोड़ों के संबंधों का पंजीयन शामिल हैं।

कांग्रेस क्यों कर रही विरोध?

कांग्रेस समेत अन्य विपक्ष पार्टियों की ओर से यूसीसी को लेकर कई सवाल उठाए गए हैं। विरोध का एक प्रमुख मुद्दा यह है कि अलग-अलग समुदायों की धार्मिक और पारंपरिक व्यवस्थाओं पर समान कानून का क्या प्रभाव पड़ेगा। आदिवासी समाज की परंपराओं और संवैधानिक संरक्षण को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। वहीं सरकार का तर्क है कि समान कानून से नागरिकों को बराबरी का अधिकार मिलेगा और महिलाओं को विवाह, तलाक तथा संपत्ति जैसे मामलों में अधिक कानूनी सुरक्षा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने भी यूसीसी को समानता और सामाजिक समरसता से जोड़ते हुए इसके समर्थन में बात कही है।

क्रियेटर, वेरीफायर और एप्रूवर के लिए डेट लाइन तय

पेंशन में देरी अब नहीं चलेगी: एमपी में हर स्तर की समय-सीमा तय, लापरवाही पर होगी कार्रवाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के पेंशन प्रकरणों के निराकरण में देरी अब अधिकारियों और कर्मचारियों पर भारी पड़ सकती है। वित्त विभाग ने राज्य केन्द्रीयकृत पेंशन प्रोसेसिंग सेल के तहत ऑनलाइन पेंशन प्रकरणों के निपटारे के लिए हर स्तर पर अधिकतम समय-सीमा निर्धारित कर दी है। तय अवधि में प्रकरण का निराकरण नहीं होने पर संबंधित अधिकारी-कर्मचारी की जवाबदेही तय की जाएगी और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। नई व्यवस्था के तहत प्रत्येक नवीन पेंशन प्रकरण को क्रियेटर, वेरीफायर और एप्रूवर के तीन स्तरों से गुजरना होगा। सामान्य नवीन पेंशन प्रकरण में प्रत्येक स्तर के लिए अधिकतम पांच कार्य दिवस निर्धारित किए गए हैं।

पुनरीक्षित पेंशन 10 दिन में होगी पूरी

पुनरीक्षित पेंशन प्रकरणों के लिए समय-सीमा और कम रखी गई है। इसमें क्रियेटर को चार कार्य दिवस, जबकि वेरीफायर और एप्रूवर को तीन-तीन कार्य दिवस में प्रक्रिया पूरी करनी होगी। इस तरह पुनरीक्षित पेंशन प्रकरणों के लिए अधिकतम 10 कार्य दिवस निर्धारित किए गए हैं। वेतन निर्धारण से जुड़े प्रकरणों में क्रियेटर को पांच कार्य दिवस और वेरीफायर तथा एप्रूवर को तीन-तीन कार्य दिवस में कार्रवाई करनी होगी। इस प्रकार ऐसे मामलों के निराकरण के लिए कुल 11 कार्य दिवस की अधिकतम समय-सीमा तय की गई है। वित्त विभाग की समीक्षा और विभागीय अनुश्रवण में सामने आया कि विभिन्न संभागीय और जिला कार्यालयों में पेंशन प्रकरणों को क्रियेटर, वेरीफायर और एप्रूवर स्तर पर अपेक्षित समय में नहीं निपटाया जा रहा था।

7 सितंबर को बीजेपी ऑफिस पहुंचेंगे सैकड़ों कर्मचारी

खंडेलवाल को वर्ष 2003 का वादा याद दिलाएंगे अस्थायी कर्मचारी

भोपाल। प्रदेश के स्कूलों, छात्रावासों, पंचायतों, अस्पतालों और अन्य विभागों में काम कर रहे अस्थायी व अंशकालीन कर्मचारी न्यूनतम वेतन और स्थायीकरण की मांग को लेकर 7 सितंबर को भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचेंगे। कर्मचारी संगठन भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल को 2003 में किए गए वादे की याद दिलाएगा। मांग पूरी नहीं होने पर पं. दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा के सामने धरना-प्रदर्शन की चेतावनी भी दी गई है। अस्थायी, आउटसोर्स कर्मचारी मोर्चा ने भाजपा संगठन को भेजे पत्र में आरोप लगाया है कि 2003 में अस्थायी कर्मचारियों को नियमित कर शासकीय सेवक का दर्जा देने का वादा किया गया था, लेकिन 23 साल बाद भी यह पूरा नहीं हुआ।

उमा भारती ने 2003 में किया था आंदोलन

मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष वासुदेव शर्मा, कार्यवाहक अध्यक्ष डॉ. अमित सिंह, अंशकालीन कर्मचारी अध्यक्ष उमाशंकर पाठक सहित अन्य पदाधिकारियों ने पत्र में कहा कि 2003 का विधानसभा चुनाव भाजपा ने अस्थायी कर्मचारियों के मुद्दे पर लड़ा था। तत्कालीन भाजपा नेता उमा भारती ने कर्मचारियों की मांगों के समर्थन में वल्लभ भवन के सामने अनिश्चितकालीन धरना दिया था। उन्होंने प्रदेशभर में यात्राएं कर अस्थायी कर्मचारियों को नियमित करने और शासकीय सेवक का दर्जा देने का वादा किया था।

मेट्रो एंकर

सेप्टिक टैंक का झंझट खत्म करेगा डीआरडीओ का बायो-डाइजेस्टर

सियाचिन की बर्फ से निकली तकनीक अब घरों तक

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सियाचिन जैसे बेहद ठंडे और दुर्गम क्षेत्र में सैनिकों के मानव अपशिष्ट के निपटारे की समस्या से निपटने के लिए विकसित तकनीक अब आम लोगों के घरों तक पहुंचने की तैयारी में है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की ग्वालियर स्थित डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट ने बायो-डाइजेस्टर का नया और अधिक प्रभावी संस्करण तैयार किया है। इसकी मदद से मानव अपशिष्ट का उपचार उसी स्थान पर किया जा सकेगा, जिससे सीवरेज नेटवर्क की सुविधा से वंचित क्षेत्रों में यह तकनीक सेप्टिक टैंक का बेहतर विकल्प बन सकती है।

नए बायो-डाइजेस्टर में विशेष टैंक के भीतर मौजूद बैक्टीरिया मानव अपशिष्ट को जैविक प्रक्रिया के जरिए तोड़ते हैं। यह प्रक्रिया बिना ऑक्सीजन के होती है। इसके बाद हवा देने और ठोस पदार्थों को अलग करने जैसी अतिरिक्त प्रक्रियाएं अपनाई जाती हैं। इससे उपचार के बाद बाहर निकलने वाले पानी की गुणवत्ता पहले के मुकाबले बेहतर होती है।

पारंपरिक सेप्टिक टैंक में समय के साथ गाद जमा होती रहती है, जिसे निकालने के लिए नियमित सफाई करानी पड़ती है। बायो-डाइजेस्टर में अपशिष्ट का उपचार मौके पर ही होने से गाद का निर्माण काफी कम हो जाता है। इससे टैंक की सफाई और खाली कराने की जरूरत भी घट सकती है। कॉलोनियों, कार्यालयों, संस्थानों और व्यावसायिक भवनों में इसका उपयोग किया जा सकता है।

एक सामान्य आवासीय बायो-डाइजेस्टर यूनिट की शुरुआती कीमत करीब 80 हजार रुपये बताई गई है। हालांकि वास्तविक लागत इसकी क्षमता, स्थापना और उपयोगकर्ताओं की संख्या के आधार पर अलग हो सकती है।

एमपी के छोटे उद्योगों के लिए खुल सकता है नया बाजार

डीआरडीओ ने मध्यप्रदेश सरकार के सामने स्थानीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को इस तकनीक के निर्माण से जोड़ने का मुद्दा भी रखा है। वैज्ञानिकों का मानना है कि उपयोगी रक्षा तकनीकों को उद्योगों के माध्यम से आम बाजार तक पहुंचाया जा सकता है। शुरुआती लाइसेंस फीस छोटी कंपनियों के लिए चुनौती हो सकती है, ऐसे में राज्य सरकार की सहायता या प्रोत्साहन से स्थानीय उद्योगों को लाभ मिल सकता है। बायो-डाइजेस्टर तकनीक की जरूरत सबसे पहले सियाचिन में महसूस हुई थी। बेहद कम तापमान में मानव अपशिष्ट सामान्य तरीके से विघटित नहीं होता था और बर्फ पिघलने के बाद इससे पर्यावरण प्रदूषण का खतरा रहता था। इसी चुनौती के समाधान के लिए तकनीक विकसित की गई। बाद में इसे अलग-अलग जलवायु परिस्थितियों के अनुरूप तैयार किया गया और रेलवे सहित अन्य क्षेत्रों में भी इसका उपयोग शुरू हुआ।

बदलाव की कहानी

राष्ट्र निर्माण की कहानी हमेशा संसद के गलियारों, सरकारी कार्यालयों और बड़ी परियोजनाओं में नहीं लिखी जाती। कभी यह किसी छोटे खेत की मेड़ पर उगते फूलों में दिखाई देती है, कभी किसी गांव के तालाब से उठती स्वच्छता की चमक में और कभी किसी बेटी की आंखों में अंतरिक्ष को छूने का सपना बनकर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' के 137वें एपिसोड में जिन कहानियों को देश के सामने रखा, उनमें भारत की इसी बदलती तस्वीर की झलक दिखाई देती है। मिशन शक्तिसैट का उल्लेख विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। 108 देशों की 12 हजार छात्राओं को उपग्रह तकनीक और नवाचार से जोड़ना केवल विज्ञान शिक्षा का कार्यक्रम नहीं, बल्कि उस सामाजिक बदलाव का संकेत है जिसमें बेटियां अब अवसरों की प्रतीक्षा करने के बजाय भविष्य की तकनीक गढ़ने की भूमिका में आ रही हैं। छात्राओं द्वारा तैयार उपग्रह को चंद्रमा की कक्षा में भेजने का लक्ष्य भारत की वैज्ञानिक महत्वाकांक्षा के साथ महिला नेतृत्व की नई संभावना भी सामने रखता है। नगालैंड की वेसालु पुरो की कहानी इस बात का प्रमाण है कि अवसर और प्रशिक्षण मिल जाए तो छोटा किसान भी बाजार की बड़ी दुनिया में प्रवेश कर सकता है। एक चौथाई एकड़ से शुरू हुई ग्लेडियोलस की खेती का दिल्ली और मुंबई तक पहुंचना केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए एक संदेश है। गांवों में प्रतिभा की कमी नहीं, जरूरत बाजार, तकनीक और सही मार्गदर्शन की है। स्वच्छता की कहानियां भी इसी जनशक्ति की ओर संकेत करती हैं। अमरनाथ यात्रा में 400 मीट्रिक टन से अधिक कचरे का प्रसंस्करण और पशु अपशिष्ट से बायोगैस तैयार करना बताता है कि पर्यावरण संरक्षण केवल भाषण का विषय नहीं रहना चाहिए। रामपुर के पटवाई में युवाओं का अभियान यह साबित करता है कि किसी शहर को साफ करने से पहले मन में जमी उदासीनता को साफ करना पड़ता है। आर्थिक आत्मनिर्भरता की तस्वीर पीएम स्वनिधि के उदाहरण में दिखाई देती है। लाभार्थियों में महिलाओं की बड़ी हिस्सेदारी और बबीता शर्मा जैसी महिलाओं का छोटा कारोबार पक्की दुकान में बदलना इस बात का संकेत है कि आर्थिक सशक्तिकरण तभी सार्थक है, जब सहायता आत्मनिर्भरता का रास्ता खोले। तिरंगे से जुड़ी पहलों में राष्ट्रीय गौरव है तो नशामुक्ति का आह्वान भविष्य की चिंता।

बदलते दौर में भारत की बढ़ती ताकत, जैवलिन से लेकर 'शेर' तक मजबूत हो रहा सुरक्षा कवच

कांतिलाल मांडोत
स्तंभकार

आधुनिक हथियारों, स्वदेशी तकनीक और नई सैन्य संरचनाओं के साथ आत्मनिर्भर भारत ने बढ़ाई अपनी मारक क्षमता बदलते वैश्विक सुरक्षा माहौल और युद्ध के तेजी से बदलते स्वरूप के बीच भारत अपनी सैन्य क्षमताओं को लगातार मजबूत कर रहा है। जमीन, आसमान और समुद्र तीनों मोर्चों पर आधुनिक हथियारों और स्वदेशी तकनीक का विस्तार भारतीय रक्षा व्यवस्था को नई ताकत दे रहा है। इसी क्रम में अमेरिकी जैवलिन एंटी टैंक मिसाइल प्रणाली की संभावित खरीद को भारत की सैन्य तैयारी में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कंधे से दागी जाने वाली यह प्रणाली आधुनिक बख्तरबंद लक्ष्यों से निपटने की क्षमता बढ़ाने के साथ सैनिकों को युद्ध के मैदान में अधिक लचीलापन दे सकती है।

अमेरिका और भारत के बीच रक्षा सहयोग पिछले कुछ वर्षों में लगातार गहरा हुआ है। जैवलिन प्रणाली को लेकर लंबे समय से चल रही बातचीत का आगे बढ़ना इसी बढ़ते रणनीतिक सहयोग का संकेत है। अमेरिकी कंपनियों लॉकहीड मार्टिन और रेथियॉन द्वारा विकसित जैवलिन को दुनिया की प्रमुख एंटी टैंक मिसाइल प्रणालियों में गिना जाता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता लक्ष्य को पहले से निर्धारित कर उसके बाद मिसाइल को स्वतः मार्गदर्शन के जरिए लक्ष्य तक पहुंचाने की क्षमता है। यही कारण है कि आधुनिक युद्ध में ऐसी प्रणालियां पैदल सैनिकों की क्षमता को कई गुना बढ़ाने वाली मानी जाती हैं।

भारत के लिए इस सौदे का महत्व केवल किसी विदेशी हथियार की खरीद तक सीमित नहीं है। इसके पीछे व्यापक रणनीतिक सोच भी दिखाई देती है। भारतीय सेना को चीन और पाकिस्तान से जुड़ी दोहरी सुरक्षा चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। एक ओर पश्चिमी सीमा पर मैदानी और रेगिस्तानी क्षेत्र हैं, वहीं दूसरी ओर उत्तरी सीमा पर अत्यधिक ऊंचाई वाले दुर्गम इलाके हैं। ऐसे में हल्की, मोबाइल और आधुनिक एंटी टैंक प्रणालियां सेना की परिचालन क्षमता को मजबूत कर सकती हैं। जैवलिन के साथ भारत की रक्षा रणनीति का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू स्वदेशी उत्पादन है। भारत लगातार इस दिशा में आगे बढ़ रहा है कि भविष्य में अत्याधुनिक हथियारों के लिए विदेशी निर्भरता कम से कम हो। इसी सोच के तहत देश में एंटी टैंक मिसाइलों की स्वदेशी क्षमता विकसित की जा रही है। डीआरडीओ की स्वदेशी प्रणालियां इसी प्रयास का हिस्सा हैं। विदेशी तकनीक और घरेलू उत्पादन क्षमता का संयोजन आने वाले वर्षों में भारतीय रक्षा उद्योग को और मजबूत कर सकता है।

'शेर' के साथ आत्मनिर्भरता को नई धार: भारतीय रक्षा आत्मनिर्भरता की तस्वीर केवल मिसाइलों तक सीमित नहीं है। अमेठी के कोरवा स्थित कारखाने में तैयार की जा रही एके-203 असॉल्ट राइफल इसका बड़ा उदाहरण है। 'शेर' नाम से पहचानी जा रही यह राइफल भारतीय सैनिकों को आधुनिक व्यक्तिगत हथियार उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। भारत में इसके उत्पादन से न केवल सेना की जरूरतें पूरी करने में मदद मिलेगी, बल्कि देश में रक्षा विनिर्माण का आधार भी व्यापक होगा। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का अर्थ अब केवल हथियार बनाना नहीं रह गया है। इसका मतलब डिजाइन, अनुसंधान, उत्पादन, परीक्षण, रखरखाव और तकनीकी उन्नयन की पूरी व्यवस्था को देश के भीतर मजबूत करना है। भारत इसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। निजी क्षेत्र और सरकारी रक्षा प्रतिष्ठानों की बढ़ती भागीदारी ने देश के रक्षा उद्योग को नई गति दी है।

युद्ध की तस्वीर बदली, सेना भी बदल रही: आज का युद्ध केवल टैंक, तोप और राइफल के सहारे नहीं लड़ा जाता। ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सटीक निशाना साधने वाली प्रणालियां, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और वास्तविक समय में मिलने वाली खुफिया जानकारी युद्ध की दिशा तय करने लगे हैं। भारतीय सेना भी इसी बदलते स्वरूप के अनुरूप अपनी क्षमताओं में बदलाव कर रही है।

हाल के वर्षों में सेना ने निगरानी और सटीक प्रहार करने वाली तकनीकों पर विशेष जोर दिया है। लंबे समय तक निगरानी रखने वाले ड्रोन, कामिकाजी ड्रोन, आधुनिक रॉकेट प्रणाली और अन्य मानवरहित तकनीकें सैन्य अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इन प्रणालियों की मदद से दुश्मन की गतिविधियों पर दूर से नजर रखने और जरूरत के समय सटीक कार्रवाई करने की क्षमता बढ़ती है। ड्रोन के बढ़ते खतरे को देखते हुए भारतीय सेना ने अपनी वायु रक्षा व्यवस्था को भी मजबूत किया है। बहुत कम ऊंचाई पर उड़ने वाले लक्ष्यों और ड्रोन से निपटने के लिए नई पीढ़ी की वायु रक्षा और काउंटर-ड्रोन प्रणालियों पर जोर दिया जा रहा है। इससे युद्ध के मैदान में सैनिकों और महत्वपूर्ण सैन्य प्रतिष्ठानों की सुरक्षा बढ़ाने में मदद मिलेगी।

भारत की सैन्य शक्ति का असली आधार केवल आधुनिक विदेशी हथियार हासिल करना नहीं है। असली ताकत उस क्षमता में है जिसमें देश अपनी जरूरत के अनुसार हथियार विकसित कर सके, उनका उत्पादन कर सके और समय के साथ उनमें सुधार कर सके। जैवलिन जैसी आधुनिक प्रणालियों की खरीद और स्वदेशी एमपीएटीजीएम जैसी तकनीकों का विकास इसी व्यापक रणनीति के दो पहलू हैं।

आज भारत एक ऐसे दौर में प्रवेश कर रहा है जहां रक्षा क्षेत्र में आयातक की भूमिका से आगे बढ़कर निर्माता और निर्यातक बनने की क्षमता विकसित की जा रही है। मिसाइल, लड़ाकू विमान, युद्धपोत, पनडुब्बी, तोप, राइफल और ड्रोन से लेकर इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली तक देश का रक्षा उद्योग लगातार विस्तार कर रहा है।

बदलती सुरक्षा चुनौतियों के बीच भारत का संदेश स्पष्ट है। देश अपनी सीमाओं की सुरक्षा के लिए आधुनिक तकनीक हासिल करने के साथ-साथ अपनी स्वदेशी क्षमता को भी लगातार मजबूत करेगा। यही संयोजन आने वाले समय में भारत को अधिक सक्षम, आत्मनिर्भर और रणनीतिक रूप से मजबूत सैन्य शक्ति बनाने की दिशा में सबसे बड़ा आधार साबित होगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

धरती का बदलता मिजाज और दुनिया के लिए चिंता का विषय बना अलनीनो

सौरभ वार्ष्णेय
स्तंभकार

धरती का बदलता मिजाज अब केवल वैज्ञानिकों के शोध और मौसम विशेषज्ञों की रिपोर्ट तक सीमित विषय नहीं रह गया है। इसका असर आम आदमी के जीवन से लेकर कृषि, जल संसाधन, अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य तक स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। कहीं आसमान से बरसती आग लोगों को बेहाल कर रही है, तो कहीं कुछ ही घंटों में होने वाली मूसलाधार बारिश शहरों को जलमग्न कर रही है। कहीं किसान बारिश का इंतजार करते-करते परेशान हैं, तो कहीं अत्यधिक वर्षा उनकी महीनों की मेहनत को बहा ले जा रही है। मौसम के इस बदलते और असामान्य स्वरूप के बीच अल नीनो एक बार फिर दुनिया के लिए चिंता का विषय बनकर सामने आता है।

अल नीनो प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी हिस्से में समुद्री सतह के तापमान के सामान्य से अधिक गर्म होने से जुड़ी एक प्राकृतिक जलवायु घटना है। इसका प्रभाव केवल प्रशांत महासागर तक सीमित नहीं रहता, बल्कि दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में तापमान, वर्षा और हवाओं के पैटर्न को प्रभावित कर सकता है। यह घटना प्राकृतिक जलवायु चक्र का हिस्सा है और हजारों वर्षों से पृथ्वी की जलवायु व्यवस्था में इसका अस्तित्व रहा है। लेकिन आज परिस्थितियां पहले जैसी नहीं हैं। मानव गतिविधियों के कारण पृथ्वी का औसत तापमान लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में अल नीनो और बढ़ते वैश्विक तापमान का मेल मौसम की चरम स्थितियों को और अधिक गंभीर बना सकता है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर अल नीनो को लेकर इतनी चिंता क्यों है? इसका उत्तर इसके व्यापक प्रभावों में छिपा है। अल नीनो के दौरान दुनिया के कई हिस्सों में तापमान सामान्य से अधिक बढ़ सकता है, जबकि कुछ क्षेत्रों में वर्षा के स्वरूप में बड़ा बदलाव देखने को मिलता है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए यह स्थिति विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। देश की बड़ी आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है और आज भी खेती का एक बड़ा हिस्सा मानसूनी बारिश पर आधारित है। यदि बारिश सामान्य से कम होती है या उसका वितरण असमान रहता है, तो इसका सीधा असर खरीफ फसलों पर पड़ सकता है। धान, मक्का, दालें, तिलहन और अन्य फसलों की पैदावार प्रभावित होने का खतरा बढ़ जाता है। उत्पादन में कमी का असर केवल किसान तक सीमित नहीं रहता। इससे खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ सकती हैं और महंगाई पर दबाव पैदा हो सकता है। पहले से ही महंगाई और रोजगार जैसी चुनौतियों से जूझ रहे आम परिवारों के लिए खाद्य कीमतों में बढ़ोतरी अतिरिक्त बोझ बन सकती है।

लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू भी कम गंभीर नहीं है। जलवायु परिवर्तन के कारण जब वातावरण अधिक गर्म होता है, तो उसमें नमी धारण करने की क्षमता बढ़ती है। परिणामस्वरूप कई बार कम समय में अत्यधिक बारिश होने लगती है। ऐसी बारिश सामान्य मानसून से अलग होती है। कुछ घंटों में इतनी वर्षा हो जाती है कि शहरों की जल निकासी व्यवस्था जवाब दे देती है, नदियां उफान पर आ जाती हैं और पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन का खतरा बढ़ जाता है। यानी एक ओर सूखे जैसी स्थिति और दूसरी ओर अचानक बाढ़—दोनों परिस्थितियां एक ही बदलती जलवायु व्यवस्था का हिस्सा बन सकती हैं। भारत के लिए यह खतरा इसलिए भी गंभीर है क्योंकि देश की भौगोलिक विविधता बहुत अधिक है। हिमालयी क्षेत्र में भारी बारिश और बादल फटने जैसी घटनाएं जान-माल को नुकसान पहुंचा सकती हैं। मैदानी इलाकों में नदियों का जलस्तर बढ़ने से बाढ़ की स्थिति पैदा हो सकती है। वहीं महानगरों में कुछ घंटों की तेज बारिश ही यातायात, बिजली, सीवर और जनजीवन को अस्त-व्यस्त करने के लिए पर्याप्त है। ऐसे में यह समझना होगा कि केवल बारिश की कुल मात्रा देखना पर्याप्त नहीं है; *बारिश कब, कितनी तेजी से और किस क्षेत्र में होती है*, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

अल नीनो का असर समुद्री और स्थलीय पारिस्थितिकी पर भी पड़ सकता है। समुद्र का तापमान बढ़ने से समुद्री जीव-जंतुओं और मछली उत्पादन पर असर पड़ सकता है। समुद्र दुनिया की जलवायु प्रणाली का महत्वपूर्ण नियामक है। इसलिए समुद्र के तापमान में होने वाला बदलाव लंबे समय तक वातावरण और मौसम को प्रभावित कर सकता है। यदि समुद्रों का तापमान लगातार बढ़ता रहा तो समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र पर दबाव और बढ़ेगा।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी बदलता मौसम बड़ी चुनौती बन रहा है। अत्यधिक गर्मी से हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। कमजोर वर्ग, बुजुर्ग, बच्चे और खुले में काम करने वाले श्रमिक सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। दूसरी ओर बाढ़ के बाद जलजनित बीमारियों और मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। इस प्रकार जलवायु परिवर्तन और अल नीनो का प्रभाव केवल मौसम विभाग के आंकड़ों तक सीमित नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य का भी विषय है।

धरती हमें लगातार संकेत दे रही है। कभी रिकॉर्ड गर्मी के रूप में, कभी असामान्य बारिश के रूप में और कभी सूखे तथा बाढ़ के एक साथ बढ़ते खतरे के रूप में। अब आवश्यकता भय पैदा करने की नहीं, बल्कि समय रहते तैयारी करने की है। विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन कायम किए बिना भविष्य सुरक्षित नहीं किया जा सकता।अल नीनो को रोकना हमारे हाथ में नहीं है, लेकिन उसके प्रभावों से होने वाले नुकसान को कम करना निश्चित रूप से हमारे हाथ में है। इसके लिए वैज्ञानिक चेतावनियों को गंभीरता से लेना होगा, जलवायु अनुकूल नीतियां बनानी होंगी और प्रकृति के साथ विकास की नई भाषा लिखनी होगी। यदि हमने आज भी चेतावनियों को नजरअंदाज किया, तो आने वाली पीढ़ियों को केवल बदलते मौसम का नहीं, बल्कि बदलती और अधिक असुरक्षित दुनिया का सामना करना पड़ेगा। अब समय है कि धरती के बदलते मिजाज को समझा जाए और उसके संकेतों पर गंभीरता से अमल किया जाए।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

रात में बिस्तर पर जाते ही नाक बंद होना, हो सकता है साइनस का संकेत

रात को बिस्तर पर लेटते ही अगर नाक बंद होने लगे और दिन में सांस बिल्कुल सामान्य रहे, तो जरूरी नहीं कि इसकी वजह सर्दी-जुकाम हो। कई लोगों में लेटने की स्थिति, नाक के अंदर ब्लड फ्लो में बदलाव, नेजल साइकिल, एलर्जी और नाक की बनावट रात के समय कंजेशन को ज्यादा महसूस करा सकती है। नाक के अंदर मौजूद टिशूज में बहुत-सी नसें होती हैं। शरीर की स्थिति बदलने पर इन नसों और नेजल म्यूकोसा में ब्लड फ्लो तथा सूजन बदल सकती है। इसकी वजह से सांस लेने वाले रास्ता संकरा हो सकता है जिससे नाक बंद महसूस होने लगती है।

स्लीप फाउंडेशन के अनुसार दिन में जब आप बैठे या खड़े रहते हैं तो गुरुत्वाकर्षण बल और नेजल टिशू पर प्रेशर को प्रभावित करती है। लेकिन बिस्तर पर लेटने के बाद शरीर की स्थिति बदल जाती है। इससे नाक में मौजूद नसों में ब्लड पूलिंग और नेजल टिशू में सूजन बढ़ सकती है, जिससे हवा के लिए उपलब्ध रास्ता कुछ संकरा हो जाता है।

एनएचएस के अनुसार अगर रात में नाक बंद होने के साथ छींक, नाक में खुजली, आंखों से पानी आना या आंखों में खुजली भी होती है, तो एलर्जी एक संभावित कारण हो सकती है। धूल के कण, पोलन और पशुओं के बालों से आपको एलर्जी हो सकती है, जो रात के समय नाक बंद होने का कारण बन सकती है। क्लीवलैंड क्लीनिक के अनुसार साइनस (Sinusitis) में नाक और आसपास के साइनस कैविटी की लाइनिंग में सूजन हो जाती है। इससे म्यूकस बाहर निकलने की प्रक्रिया प्रभावित होती है और ऐसे में कंजेशन बढ़ सकता है। अगर नाक ब्लॉक के साथ चेहरे में दबाव या दर्द, नाक से गाढ़ा म्यूकस निकल रहा है, सुंघने की क्षमता कम होना या सिरदर्द जैसे लक्षण हैं, तो साइनस समस्या की संभावना हो सकती है। एनसीबीआई के अनुसार हर नेजल कंजेशन एलर्जी की वजह से नहीं होती। कुछ लोगों की नेजल लाइनिंग स्मोक, प्रदूषण, तापमान में बदलाव या सेंसिटिविटी हो सकती है। मैयोक्लीनिक के अनुसार इसे Non-Allergic Rhinitis कहा जाता है। इसमें भी नाक बंद होना और नाक बहना जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं। नेजल पोलिप्स नाक या साइनस की लाइनिंग में बनने वाली सॉफ्ट, नॉन कैंसर युक्त ग्रोथ होती हैं। इनके बढ़ने पर नाक का रास्ता संकरा हो सकता है और सांस लेने में परेशानी हो सकती है। इसमें नाक बंद होना या सुंघने की क्षमता कम होने जैसी समस्या होती है।

प्राकृतिक नैजल साइकिल भी रात में ज्यादा महसूस हो सकता है। अगर यह समस्या लगातार बनी रहती है और इससे पर्याप्त नींद लेने में परेशानी होती है तो ऐसे में आपको तुरंत डॉक्टर से सलाह करनी चाहिए।

निशाना

आजकल खून का रिश्ता भी तो दिल को बेज़ार बहुत करता है

धर्मराज देशराज

वक्त लाचार बहुत करता है
जीना दुश्वार बहुत करता है।
आजकल खून का रिश्ता भी तो
दिल को बेज़ार बहुत करता है।
आदमी रब को भुलाकर जग में
खुद को बीमार बहुत करता है।
आइना सामने रखकर ये दिल
खुद से तक़रार बहुत करता है।
ज़ख्म देता है वही तो आख़िर
जिससे दिल प्यार बहुत करता है।
प्यार दौलत से जिसे हो वो ही
दिल का व्यापार बहुत करता है।
नाम रब का तू 'धरम' कब लेगा
काम बेकार बहुत करता है।

टेक्नो अपडेट

3D प्रिंटर बन रहे घर बैठे कमाई का जरिया कस्टमाइज्ड प्रोडक्ट्स की दुनिया में क्रांति

प्रिंटर के बारे में हर कोई जानता है लेकिन क्या आप 3D प्रिंटर के बारे में जानते हैं? दरअसल यह एक ऐसा डिवाइस है जो कि चीजें प्रिंट कर सकता है। खास बात है कि अब ये लोगों के लिए घर बैठे कमाई का जरिया बन रहे हैं। बात चाहे कस्टमाइज्ड गिफ्ट्स की हो, मोबाइल एक्सेसरीज की, या आर्किटेक्चरल मॉडल्स की, 3D प्रिंटर कस्टमाइज्ड प्रोडक्ट्स की दुनिया में क्रांति साबित हुआ है। लोग अब बाजार में कुछ पसंद का ढूंढने से बेहतर 3D प्रिंटर पर बनवाना पसंद करते हैं।

3D प्रिंटर खरीदते समय आपको सबसे पहले प्रिंटर के प्रकार का ध्यान रखना चाहिए। शुरूआती स्तर पर और हल्के-फुल्के कमर्शियल इस्तेमाल के लिए FDM यानी कि फिलामेंट बेस्ड प्रिंटर बेस्ट होते हैं। वहीं, अगर बारीक ज्वेलरी या मिनिएचर फिगर्स प्रिंट करने हों, तो रेजिन प्रिंटर बेहतर और सटीक फिनिशिंग देते हैं। इसके बाद ध्यान देना चाहिए 3D प्रिंटर के बेड साइज यानी के वे हिस्सा जहां प्रिंटर कुछ भी प्रिंट करता है। इससे ही तय होता है कि आप कितने बड़े प्रोजेक्ट्स को प्रिंट कर सकते हैं। कम से कम 220×220×250 mm का बिल्ड वॉल्यूम शुरुआती काम के लिए सही रहता है।

क्या बनाकर बेचा जा सकता है?: 3D प्रिंटर की मदद से कई चीजें आप ऑनलाइन और ऑफलाइन बेच सकते हैं जैसे कि पर्सनलाइज्ड की-चेन, लिथोफेन लैंप, फ्लावर पॉट्स, मिनिएचर मॉडल्स और नेमप्लेट्स आदि। आजकल इंजीनियरिंग के छात्र या स्टार्टअप्स को प्रोटोटाइप्स के लिए गियर्स और रिप्लेसमेंट प्लास्टिक स्पेयर पार्ट्स की जरूरत पड़ती है, जिसके लिए उन्हें उन लोगों की तलाश रहती है जो 3D प्रिंटर ऑपरेट रखते हैं। नई तकनीक होने की वजह से इस प्रिंटिंग में प्रॉफिट मार्जिन काफी ज्यादा है। जैसे कि 50 ग्राम फिलामेंट से बनने वाले एक कस्टमाइज्ड मोबाइल स्टैंड की लागत लगभग 50 से 70 रुपये तक आती है, जिसे बाजार या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर 300 से 500 रुपये तक में बेजा जा सकता है। इसके अलावा निर्भर करता है कि आप 3D प्रिंटर पर बना क्या रहे हैं। ऑनलाइन लोग रोजमर्रा के जीवन में काम आने वाली अजब-गजब चीजें प्रिंट करके अपनी फैन फॉलोइंग और कमाई दोनो ही बढ़ा रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार अगर रोज 3 से 4 बड़े ऑर्डर्स पूरे करें तो इस प्रिंटर से अच्छा मुनाफा कमाया जा सकता है।

नॉलेज

समुद्र में अनोखी जंग, ब्लू क्रैब से निपटने उतरी ऑक्टोपस की फौज

समुद्र में होने वाली लड़ाइयां आमतौर पर इंसानी नजरों से दूर रहती हैं, लेकिन इटली में इन दिनों समुद्र के भीतर एक अनोखे 'महायुद्ध' की तैयारी चल रही है। यहां किसी जाल, जहाज या रासायनिक उपाय के बजाय प्रकृति के ही एक शिकारी को हथियार बनाया गया है। वैज्ञानिकों ने एड्रियाटिक सागर के तट पर करीब 1.30 लाख बेबी ऑक्टोपस छोड़े हैं। इनका लक्ष्य है ब्लू क्रैब यानी नीले केकड़े की तेजी से बढ़ती आबादी को नियंत्रित करना।

ब्लू क्रैब मूल रूप से अटलांटिक महासागर के इलाकों में पाया जाता है, लेकिन पिछले कुछ दशकों में यह भूमध्यसागर सहित यूरोप के कई हिस्सों में फैल गया है। इटली के तटीय इलाकों में इसकी संख्या इतनी बढ़ी कि यह स्थानीय समुद्री पारिस्थितिकी और मछली पालन के लिए बड़ी चुनौती बन गया। ये केकड़े क्लैम, मसल्स और दूसरे शेलफिश को बड़े पैमाने पर खाते हैं। मछुआरों के जाल को नुकसान पहुंचाने के साथ-साथ ये एक्वाकल्चर फार्मों में पाले जा रहे समुद्री जीवों को भी प्रभावित कर रहे हैं। कुछ प्रभावित इलाकों में क्लैम उत्पादन का करीब 70 प्रतिशत तक नुकसान होने का दावा किया गया है। मछुआरों और कृषि क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन कोल्डिरेटी के अनुसार, ब्लू क्रैब से इटली को अब तक लगभग 200 मिलियन यूरो का आर्थिक नुकसान हुआ है।

ऑक्टोपस ही क्यों चुना गया?: यही इस पूरी योजना का सबसे दिलचस्प हिस्सा है। ऑक्टोपस समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र में शीर्ष स्तर के शिकारी जीवों में शामिल है और क्रस्टेशियंस यानी केकड़ों को खाने के लिए जाना जाता है। उसके आठ हाथ, मजबूत चूसक और बेहद लचीला शरीर उसे चट्टानों, दरारों और समुद्र तल के बीच छिपे शिकार तक पहुंचने में मदद करते हैं।

इटली के 'ऑक्टो-ब्लू' प्रोजेक्ट के तहत रिकसिओन और सेसेनाटिको के समुद्री क्षेत्र में प्रयोग शुरू किया गया है। यहां छोड़े गए ऑक्टोपस प्रयोगशाला में तैयार किए गए हैं। जब वे केवल कुछ मिलीमीटर के थे, तभी उन्हें समुद्र में छोड़ा गया। उनके लिए पानी के भीतर कृत्रिम आश्रय भी बनाए गए हैं, ताकि शुरुआती अवस्था में वे सुरक्षित रह सकें। वैज्ञानिकों की उम्मीद है कि जैसे-जैसे ये ऑक्टोपस बड़े होंगे, वे ब्लू क्रैब का शिकार करना शुरू करेंगे। अनुमान है कि एक वयस्क ऑक्टोपस एक दिन में कई केकड़ों को पकड़ सकता है। ब्लू क्रैब की अनुकूलन क्षमता ने वैज्ञानिकों को और चिंतित किया है। इटली की पो नदी में भी इसके मिलने की खबर सामने आ चुकी है। कुछ नमूने नदी के मुहाने से करीब 100 मील अंदर तक पाए गए। यह संकेत है कि यह प्रजाति केवल समुद्री तट तक सीमित नहीं रह गई है।

पन्ना के अजयगढ़ क्षेत्र में संतान प्राप्ति का झांसा देकर आभूषण ठगने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया

संतान के नाम पर ठगने वाले गिरफ्तार, मिट्टी में दबाए थे आभूषण, खोदा तो निकला लिफाफा

पन्ना। दोपहर मेट्रो

संतान प्राप्ति का झांसा देकर ग्रामीणों को अपनी ठगी का शिकार बनाने वाले दो शातिर नटवरलालों को अजयगढ़ पुलिस ने बेनकाब कर दिया है। हाथ की सफाई और तंत्र-मंत्र का नाटक रचकर गहने साफ करने वाले इन जालसाजों को पुलिस ने धर दबोचा है। इनके पास से पुलिस ने सोने-चांदी के आभूषणों समेत ठगी में इस्तेमाल होने वाला सामान और बाइक बरामद की है, जिसकी कुल कीमत करीब 1.30 लाख रुपये बताई जा रही है।

ठगी की यह सनसनीखेज वारदात अजयगढ़ इलाके के सिमराखुर्द गांव की है। पीड़ित शंकर कोंदर ने पुलिस को बताया कि गांव में दो अनजान शख्स पहुंचे और उन्होंने बातों-बातों में झांसा दिया कि वे पूजा-पाठ कराकर संतान सुख दिला सकते हैं। हालांकि, इसके लिए उन्होंने शर्त रखी कि शंकर की पत्नी के सारे गहनों की पूजा करनी होगी।

झांसे में आकर दंपति ने अपने सोने का लॉकेट, चांदी की चूड़ियां और पायल (कीमत करीब 50 हजार रुपये) ठगों के हवाले कर दिए। शातिर ठगों ने पीड़ित से घर के पास ही एक गड्ढा खुदवाया और पॉलीथिन में गहने डालकर उसमें दबाने को कहा। उन्होंने पीड़ित को सख्त हिदायत दी कि 35 दिनों तक रोजाना यहां पूजा करनी है और उसके बाद ही गहने बाहर निकालने हैं, तभी घर में किलकारी गूंजेगी। ठगों के वहां से जाते ही शंकर को शक हुआ। जब उसने तुरंत गड्ढा खोदकर देखा तो उसके पैरों तले जमीन खिसक गई–गड्ढे में सिर्फ खाली पॉलीथिन नुमा लिफाफा पड़ा था और सारे आभूषण गायब थे।

यूपी के रहने वाले हैं दोनों आरोपी, जेल भेजे गए

ठगी का अहसास होते ही पीड़ित ने तुरंत अजयगढ़ थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए घेराबंदी शुरू की और मुखबिर की सटीक सूचना पर रविवार 30 अगस्त को पिष्टा गांव के पास से दो संदिग्धों को हिरासत में लिया। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपियों ने कबूला कि वे जादू और हाथ की सफाई दिखाकर गांव के सीधे-सादे लोगों को ठगते थे। पकड़े गए आरोपी इन्साफ अली (38) और इमरित अली (26) उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले के रहने वाले हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी के गहनों के अलावा डमरू, प्लास्टिक का सांप, टाइगर टेडी, 103 अंगूठियां, बांसुरी और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटर साइकिल बरामद की है। दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

न्यूज विंडो

भुजरिया मिलन में यादव समाज ने लिया नशामुक्त बासौदा का संकल्प

गंजबासौदा। स्थानीय यादव समाज धर्मशाला में आयोजित भुजरिया मिलन समारोह में समाजबंधुओं ने आपसी भाईचारे और सामाजिक एकजुटता के साथ नशामुक्त बासौदा बनाने का संकल्प लिया। इस दौरान 1 सितंबर को प्रस्तावित नशे के खिलाफ जनजागरण रैली में समाज की बड़ी भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया। समारोह में समाजबंधुओं ने एक-दूसरे को भुजरिया भेंट कर शुभकामनाएं दीं। वक्ताओं ने कहा कि नशे की बढ़ती प्रवृत्ति व्यक्ति के साथ-साथ पूरे परिवार और समाज के भविष्य को प्रभावित कर रही है। इसे रोकने के लिए परिवार, समाज और युवाओं को मिलकर निर्णायक पहल करनी होगी। उपस्थित समाजजनों ने स्वयं नशे से दूर रहने तथा दूसरों को भी नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। बैठक में भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव को भव्य स्वरूप में मनाने का निर्णय भी लिया गया। जन्माष्टमी के अवसर पर आकर्षक शोभायात्रा निकालने की तैयारियों पर चर्चा करते हुए समाजबंधुओं से आयोजन में अधिक से अधिक सहभागिता की अपील की गई। समारोह के अंत में समाज के लिए जनसहयोग एवं उल्लेखनीय कार्य करने वाले सुनील यादव (नगर पालिका जल प्रदाय), सुल्तान यादव (चौरावर), दीवान यादव एवं राहुल यादव का फूल-मालाओं से सम्मान किया गया। समाजजनों ने उनके योगदान की सराहना की। भुजरिया मिलन समारोह के माध्यम से यादव समाज ने जहां आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता को मजबूत करने का संदेश दिया, वहीं नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए सामूहिक संकल्प भी दोहराया।

चार मार्गों पर एक साथ जनसंपर्क घर-घर पहुंचा रैली का निमंत्रण

गंजबासोदा। नगर को नशामुक्त बनाने और युवाओं को नशे की गिरफ्त से बचाने के उद्देश्य से 1 सितंबर को प्रस्तावित नशामुक्ति जन जागरण रैली को लेकर जनसंपर्क अभियान तेज हो गया है। रविवार को नगर के चारों प्रमुख मार्गों पर एक साथ जनसंपर्क किया गया। सामाजिक संगठनों और स्वयंसेवकों की टीमों ने दुकानदारों, व्यापारियों और नागरिकों से संपर्क कर उन्हें पंपलेट वितरित किए तथा रैली में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की। चार टीमों ने अलग-अलग मार्गों से जनसंपर्क शुरू किया। पहली टीम रेलवे स्टेशन से जय स्तंभ चौक, दूसरी सिद्धेश्वर महादेव मंदिर, कालाबाग एवं धर्मकांटा क्षेत्र से, तीसरी तिरंगा चौक से राजेंद्र नगर, गांधी चौक और सदर बाजार होते हुए तथा चौथी टीम बैतोली फाटक से त्योंदा रोड होते हुए जय स्तंभ चौक पहुंची। इस दौरान नागरिकों को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए अभियान से जुड़ने का आग्रह किया गया। रैली को सफल बनाने के लिए सेन समाज, सकल जैन समाज, महाराणा प्रताप राजपूत समिति, रविवार प्रोटोकॉल, व्यापार महासंघ, लोधी समाज, रघुकुल युवा परिषद, साहू समाज सहित विभिन्न संगठनों ने बैठकें कर अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने की रणनीति बनाई।जनसंपर्क अभियान के माध्यम से आयोजकों ने संदेश दिया कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल कानून से नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता और सामूहिक सहभागिता से ही प्रभावी होगी। रैली में नगर के सभी वर्गों की भागीदारी के साथ नशे के खिलाफ एकजुट आवाज बुलंद करने की तैयारी है।

'मम्मी उठो न' मां से लिपटकर रोती रही 8 साल की बेटी, मामले की पड़ताल जारी

राजगढ़। जिले के भोजपुर थाना क्षेत्र के रिछड़िया गांव में एक 28 वर्षीय विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू की। रविवार दोपहर के बाद पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। महिला की 8 वर्षीय बच्ची मां से लिपटकर रोती रही और बार-बार मां के पास जाने की कोशिश करती रही, परिजन उसे संभालते रहे। मृतका के मायके पक्ष का आरोप है कि पति चरित्र पर शक करता था और कई बार प्रताड़ित कर चुका था। कुछ दिन पहले ही गांव के एक युवक से अफेयर होने का आरोप लगाते हुए पंचायत बुलाई थी और पंचायत में 5 लाख 90 हजार रुपये में मामला खत्म करने की बात तय हुई थी। मृतका के पिता का आरोप है पैसे देने के लिए जो तारीख तय की गई थी, उससे पहले ही उनकी बेटी के साथ मारपीट कर पति ने उसकी जान ले ली। हालांकि पुलिस ने इन आरोपों की पुष्टि नहीं की है। मृतका के पति ने मायके पक्ष की ओर से लगाए गए आरोपों को नकारते हुए कहा है कि पत्नी गांव के ही एक युवक के साथ फोन पर बातचीत करती थी। चार-पांच दिन पहले मोबाइल में नंबर मिलने पर पत्नी से इस बारे में पूछा था और ये भी कहा था कि अगर उस युवक के साथ रहना है तो उसके घर चली जाओ। पति का ये भी कहना है कि पत्नी उस युवक के घर गई और युवक ने साथ रखने से मना कर दिया तो अपनी जान दे दी।

आरोपियों से देशी और छर्रे वाली पिस्टल, तीन कारतूस और कार बरामद

इंस्टाग्राम पर रील देखकर खरीदी पिस्टल, 55 हजार में हथियारों का सौदा; दो युवक गिरफ्तार

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

जिले में अवैध हथियारों की तस्करी और अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत देहात थाना पुलिस ने दो युवकों को अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से एक देशी पिस्टल, एक छर्रे वाली पिस्टल और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। हथियारों के परिवहन में इस्तेमाल सफेद रंग की कार को भी पुलिस ने जब्त किया है।

पुलिस के मुताबिक, 29 अगस्त को मुखबिर से सूचना मिली थी कि पोआमा पानी टंकी के पास एक सफेद कार में दो युवक हथियार और कारतूस लेकर बैठे हैं। दोनों किसी गंभीर वारदात को अंजाम देने की तैयारी में हैं। सूचना मिलते ही देहात थाना प्रभारी निरीक्षक गोविंद सिंह राजपूत पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घेराबंदी कर दोनों युवकों को दबोच लिया। पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि करीब एक साल पहले उन्होंने इंस्टाग्राम पर हथियारों से जुड़ी एक रील देखी थी। इसके बाद सोशल मीडिया के जरिए उत्तर प्रदेश के एक व्यापारी से संपर्क हुआ। दोनों ने व्यापारी से करीब 55 हजार रुपये में पिस्टल और कारतूस खरीदे थे। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि हथियारों की सप्लाई करने वाला व्यापारी कौन है और वह अवैध हथियारों का नेटवर्क किस तरह संचालित कर रहा था। आरोपियों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने हथियार सप्लायर की तलाश शुरू कर दी है। उसके संभावित ठिकानों पर दबिश देने के लिए विशेष टीम गठित की गई है।

चार थानों में पहले से दर्ज हैं अपराध

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विकास पिता तिमाजी मर्सकोले (25), निवासी कुकड़ीखापा, थाना मोहखेड़, हाल गुलाबरा गली नंबर-15, थाना कोतवाली और मिथुन पिता रामाजी उइके (31), निवासी उसरिया, थाना देहात के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपियों के खिलाफ पहले से देहात, कुण्डीपुरा, मोहखेड़ और कोतवाली थाना क्षेत्रों में अपराध दर्ज हैं। मामले में अपराध क्रमांक 500/26 के तहत बीएनएस की धारा 3(5) और आर्म्स एक्ट की संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया है। दोनों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

परासिया नाके से निकाला जुलूस

गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को परासिया नाके से जुलूस के रूप में निकाला। इस दौरान दोनों आरोपी कान पकड़कर माफी मांगते हुए नजर आए। कार्रवाई का वीडियो भी सामने आया है। देहात थाना प्रभारी गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि आरोपियों के पुराने आपराधिक रिकॉर्ड को देखते हुए उनके खिलाफ जिला बदर की कार्रवाई प्रस्तावित की जा रही है। पुलिस अब हथियारों की सप्लाई के पीछे सक्रिय नेटवर्क और यूपी के व्यापारी तक पहुंचने की कोशिश में जुटी है।

नेपाल बाढ़ में लापता स्वाती बागरेचा की सुरक्षित वापसी की उम्मीद

मम्मी जरूर वापस आएंगी, लापता स्वाती बागरेचा की 13 साल की बेटी कर रहीं इंतजार

विदिशा। दोपहर मेट्रो

नेपाल त्रासदी में लापता हुईं स्वाती बागरेचा का विदिशावासी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उनकी सलामती के लिए दुआ भी की जा रही है। विदिशा के सेवानिवृत्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. केसी बागरेचा की छोटी बेटी स्वाती, पेशे से इंजीनियर हैं और शादी के बाद कनाडा में बस गई थीं। वे ईशा फाउंडेशन के 77 सदस्यीय समूह के साथ तीर्थयात्रा के लिए निकली थीं। भारत आते ही स्वाती बागरेचा ने अपनी बेटी को विदिशा में परिजनों के पास छोड़ा और इसके बाद यात्रा के लिए रवाना हो गईं। 5 दिन से मां से कोई संपर्क नहीं होने से बेटी परेशान जरूर है पर उसे पूरी उम्मीद है कि वे जल्द वापस लौटेंगी।

50 वर्षीय स्वाती बागरेचा 14 अगस्त को काठमांडू पहुंचीं थीं। दो दिन के बाद वहां से मानसरोवर के लिए रवाना हो गईं। वहां भी समूह के सभी लोगों ने दो दिन बिताए। मानसरोवर की यात्रा खत्म होने के

बाद वे वापस लौटने की तैयारी कर रहीं थीं। बहन डॉ. स्मिता बागरेचा ने बताया कि दुर्गम इलाके और कनेक्टिविटी की समस्या के कारण फोन पर सीधे बात करना कठिन था इसलिए स्वाती, पूरी यात्रा के दौरान व्हाट्सएप के माध्यम से परिवार से संपर्क करती रहीं। उसे 26 अगस्त को फ्लाइट पकड़नी थी। स्वाती ने मैसेज कर उन्हें बताया कि आव्रजन की प्रक्रिया चल रही है और समूह जल्द ही नेपाल पहुंचने वाला है। उन्होंने अगली सुबह उड़ान से नेपाल पहुंचने के बाद ही व्हाट्सएप करने की भी बात कही थी।

पिता डॉ. केसी बागरेचा ने बताया कि स्वाती ने आव्रजन प्रक्रिया चलने और जल्द ही नेपाल पहुंच जाने का मैसेज किया था। इसके बाद से कोई संपर्क नहीं हो पाया। नेपाल में आई त्रासदी के कारण 5 दिनों से पूरा परिवार स्वाती के लिए परेशान है लेकिन सभी उनकी सुरक्षित वापसी के लिए आशान्वित हैं। स्वाती की 13 साल की बेटी ने भी अपना हौसला नहीं खोया है। वे पूरी दृढ़ता से अपनी मां के जल्द लौट आने की बात कह रही हैं। स्वाती बागरेचा की तलाश के लिए परिवार ने भारतीय, नेपाली और कनाडाई दूतावासों से संपर्क किया है और सरकारी एवं प्रशासनिक माध्यमों से सहायता मांगी है। विदिशा से भाजपा विधायक मुकेश टंडन के साथ ही केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी परिवार से मुलाकात कर स्वाती को ढूंढने का हर संभव प्रयास करने का आश्वासन दे चुके हैं।

दमोह के जैन मंदिर में दर्शन कर गुल्लक साफ कर गया चोर, वीडियो वायरल

दमोह। दोपहर मेट्रो

शहर के मुख्य बाजार इलाके में स्थित नसियाजी जैन मंदिर में बीती शाम उस समय हड़कंप मच गया, जब पता चला कि किसी चोर ने गुल्लक का ताला तोड़कर चोरी कर ली है। सीसीटीवी देखे गए तो पता चला कुछ समय पहले ही चोरी की वारदात हुई थी, इसके बाद स्थानीय लोगों द्वारा पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और निशानदेही के आधार पर चोर की तलाश शुरू कर दी है। सिटी कोतवाली इलाके के राय चौराहा से पलंदी चौराहा मुख्य रोड पर स्थित दिगम्बर जैन नसियाजी जैन मंदिर में चोरी की ये वारदात हुई है। मंदिर में लगे सीसीटीवी फुटेज में चोरी की पूरी वारदात के साथ साथ चोर की तस्वीरें भी कैद हुई हैं। पुलिस को मिले फुटेज के अनुसार, शाम करीब 4.30 बजे एक 55 से 60 साल का व्यक्ति क्रीम कलर का सफारी सूट, एक बैग और गमछा टांगे हुए मंदिर में प्रवेश करता है। उसने आम भक्त की तरह चप्पल मंदिर के बाहर उतारी और सीधे प्रथम तल पर स्थित भगवान की वेदियों के पास पहुंचा। यहां पहले उसने पूजा की। इसके बाद मुख्य तिजोरी गुल्लक के ऊपर रखे एक छोटे डिब्बानुमा गुल्लक का ताला खोलने के लिए पहले जेब से निकाली चाबी से प्रयास किया, लेकिन असफल होने पर किसी अन्य वस्तु से ताला तोड़ दिया। इसके बाद नकदी और चिल्लर बैग में रखकर चुपचाप बाहर निकल गया। बाहर भी किसी सामान्य व्यक्ति की तरह उसने मंदिर के सामने से ही ऑटो पकड़ा और राय चौराहा की तरफ निकल गया।

बाद में मंदिर के काम में लगे कर्मचारी ने गुल्लक का ताला टूटा हुआ देखा और सूचना मंदिर के प्रबंधक को दी। इसके बाद सीसीटीवी फुटेज देखे गए, जिसमें 15 मिनट में दिनदहाड़े हुई इस वारदात की कहानी सामने आई। बाद में सिटी कोतवाली पुलिस को सूचना दी गई। टीआई मनीष कुमार सहित टीम मौके पर पहुंची और विवेचना शुरू की गई।

मेट्रो एंकर धार में उज्जैन की तर्ज पर दिया जाएगा गार्ड ऑफ ऑनर, 11 हजार अभिमंत्रित रुद्राक्षों का होगा वितरण

राजशाही ठाठ-बाठ के साथ निकलेगी बाबा धारनाथ की छबीना पालकी यात्रा

धार। दोपहर मेट्रो

नगर में आगामी 7 सितंबर सोमवार को भगवान श्री धारनाथ का भव्य छबीना (पालकी यात्रा) निकाला जाएगा। इस ऐतिहासिक आयोजन को लेकर आयोजक संस्था 'श्री धर्म स्थान रक्षक मंडल' के अध्यक्ष डॉ. शरद विजयवर्गीय के नेतृत्व में तैयारियां जोरों पर शुरू कर दी गई हैं। संस्था सचिव अजय मनोहर सिंह ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि धार में बाबा धारनाथ के छबीना का धार्मिक महत्व उज्जैन और ओंकारेश्वर के समान ही है। मान्यता है कि बाबा धारनाथ राजा के रूप में अपनी प्रजा का कुशलक्षेम जानने नगर भ्रमण पर निकलते हैं। इस यात्रा में धार सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु शामिल होते हैं।

यह परंपरा करीब 80 वर्ष पूर्व धार महाराज द्वारा प्रारंभ की गई थी, जो अब अपने 81वें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है। परंपरा के अनुसार, बाबा धार महाराज

की चांदी की और चारों ओर मूट से जड़ित पालकी में विराजमान होते हैं। धार के माझी समाज के युवा पूरी निष्ठा और आस्था के साथ बिना चरण पादुकाके अपने कंधों पर पालकी उठाकर पूरे नगर का भ्रमण कराते हैं। शाम 4 बजे श्री धारेश्वर मंदिर से महाआरती और गार्ड ऑफ ऑनर के साथ। उज्जैन की तर्ज पर धार में भी बाबा को गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाता है। रात्रि 12 बजे के पूर्व मंदिर प्रांगण में वापसी, महाआरती और प्रसाद वितरण के साथ। इस वर्ष छबीना यात्रा के दौरान आशुतोष विजयवर्गीय द्वारा अपने स्वयं के वाहन से 11,000 अभिमंत्रित रुद्राक्षों का निःशुल्क वितरण किया जाएगा। आयोजन को भव्य और सफल बनाने में मंडल के पदाधिकारी ज्ञानेंद्र त्रिपाठी, द्वारका अग्रवाल, कन्हैयालाल यादव, पूनम फकीरा, नवनीत जैन, ईश्वर सिंह ठाकुर सहित समस्त कार्यकर्ता अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए तैयारियों में जुटे हुए हैं।

नरगुंवा तालाब लबालब... ओवरफ्लो का मनोरम दृश्य देखने पहुंच रहे लोग

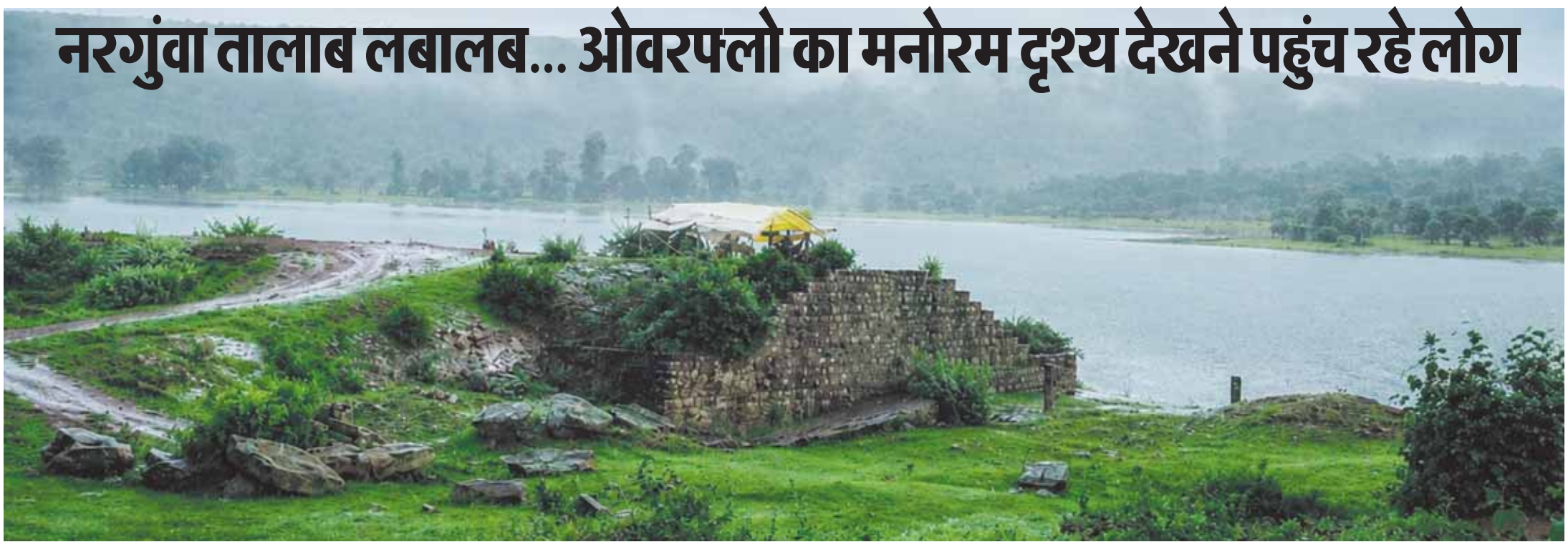

तेंदूखेड़ा। नगर से लगभग 2 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत नरगुंवा का तालाब लगातार हो रही बारिश के बाद पूरी तरह लबालब भर गया है। तालाब में पानी की आवक बढ़ने के साथ ही इसका ओवरफ्लो भी शुरू हो गया है, जिससे क्षेत्र में एक बेहद मनोरम और आकर्षक दृश्य देखने को मिल रहा है। सुबह और शाम के समय तेंदूखेड़ा नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से लोग तालाब के किनारे पहुंचकर प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद ले रहे हैं। बारिश के बाद चारों ओर फैली हरियाली, लबालब भरा तालाब और ओवरफ्लो होता पानी लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। विशेष रूप से सुबह और शाम के समय यहां का दृश्य बेहद मनमोहक नजर आता है। कई लोग अपने परिवार और मित्रों के साथ तालाब के समीप पहुंचकर इस सुंदर प्राकृतिक वातावरण का आनंद ले रहे हैं।

न्यूज विंडो

साहित्यकार माहेश्वरी काल्पनिक के लघुकथा संकलन जीवन चित्र का विमोचन

नरसिंहपुर। पाथेय साहित्यिक उपक्रम जबलपुर के तत्वावधान में नगर के वरिष्ठ साहित्यकार राकेश माहेश्वरी काल्पनिक की पांचवी कृति जीवन चित्र लघुकथा संकलन का विमोचन समारोह साहित्यकारों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि पूर्व महापौर डॉ. स्वाति गोडबोले ने कहा कि लघुकथा कम शब्दों में जीवन के व्यापक यथार्थ और सत्य को अभिव्यक्ति देती है। वरिष्ठ साहित्यकार अमरेंद्र नारायण ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में बतलाया कि लघुकथा समाप्त होने के बाद भी पाठक के अंतर्मन में विचार और संवेदना के रूप में बनी रहती है। सारस्वत अतिथि प्रो एचबी पालन ने लघुकथा की शक्ति, भाषा, कथ्य और मितव्ययिता पर अपनी अभिव्यक्ति दी वहीं अन्य सारस्वत अतिथि प्रफुल्ल श्रीवास्तव ने अपनी वाणी से लघुकथा की सार्थकता जीवन के कटु सत्य को उजागर करने पर जोर दिया। भागवत अनुरागी कृष्णा निशा तिवारी ने स्वस्ति भाव प्रकट करते हुए लघुकथा में समाहित करुणा, संवेदना और मानवीय मूल्यों पर प्रकाश डाला. डॉ तनुजा चौधरी (पूर्व विभाग अध्यक्ष हिन्दी प्रभाग होमसाइंस महाविद्यालय) ने अपने पूर्व विद्यार्थी अपने शिष्य राकेश माहेश्वरी की उपलब्धियों पर गौरवांवित हुई.। उन्होंने लघुकथा लेखन के सिद्धांत और उसकी अहमियत पर अपना अभिमत अभिव्यक्त किया। प्रीति नामदेव सुप्रसिद्ध गायिका ने अपने भजन प्रस्तुत कर शमां बाँध दी। पाथेय सृजन चेतना अलंकरण से एवं डॉ सुमित्र स्मृति अलंकरण से राकेश माहेश्वरी काल्पनिक को सम्मानित और अभिनन्दन कर शाल, श्री फल, अभिनंदन पत्र और स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। जबलपुर की विविध साहित्यिक संस्थाओं द्वारा माहेश्वरी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन राजेश पाठक प्रवीण करते हुए राकेश माहेश्वरी की विमोचन कृति जीवन चित्र को जीवन सत्य का प्रतिबिंब बताया।

कजलियां पर्व पर आपसी भाईचारा निभाने का लिया संकल्प

नरसिंहपुर। जिले में कजलियां पर्व हर्षोल्लास के साथ परंपरागत ढंग से मनाया गया। स्नेह और भाईचारे का प्रतीक कजलियां पर्व रविवार को समूचे जिले में परंपरागत रूप से मनाया गया। यह पर्व रक्षाबंधन के दूसरे दिन मनाया जाता है। कजलियां पर्व पर लोगों ने एक दूसरे को कजलियों का आदान प्रदान कर पुराने गिले शिकवे दूर किए और पर्व की शुभकामनाएं दीं। इसी प्रकार सनातन धर्म की संस्कृति के अनुसार मिलन समिति द्वारा कजलियां मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी ने एक दूसरे को कजलियां का आदान प्रदान कर आपसी भाईचारा को सदैव निभाने का संकल्प लिया गया एवं अनरव वाले परिवार में जाकर संवेदना व्यक्त की। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में कई जगहों पर परंपरागत ढंग से अनरव के कार्यक्रम देर रात तक चलते रहे।कजलियां पर्व राखी यानी रक्षा बंधन पर्व के दूसरे दिन मनाया जाता है। इसे कई स्थानों पर भुजरियां नाम से भी जाना जाता है। यह त्योहार प्रकृति प्रेम और खुशहाली से जुड़ा पर्व है। इसका प्रचलन सदियों से चला आ रहा है। शनिवार को यह पर्व खुशी व निराशा के साथ मनाया गया। पर्व की मान्यतानुसार इसका प्रचलन राजा आल्हा ऊदल के समय से है। यह पर्व अच्छी बारिश, अच्छी फसल और जीवन में सुख-समृद्धि की कामना से किया जाता है। तकरीबन एक सप्ताह में गेहूं के पौधे उग आते हैं, जिन्हें भुजरियां कहा जाता है। फिर रक्षा बंधन के दूसरे दिन महिलाओं द्वारा इनकी पूजा-अर्चना करके इन टोकरियों को जल स्त्रोतों में विसर्जित किया जाता है।

पुलिस की फर्जी सील लगाकर चरित्र प्रमाणपत्र बनाने वाला आरोपी गिरफ्तार

धार/मनावर। पुलिस ने थाना प्रभारी की फर्जी रबर सील बनाकर युवाओं को फर्जी अस्थायी चरित्र प्रमाण पत्र जारी करने वाले एक शातिर आरोपी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी आदित्य सोलंकी सरकारी और निजी नौकरियों के लिए युवाओं से पांच-पांच सौ रुपये लेकर अपनी दुकान से यह फर्जी दस्तावेज तैयार कर रहा था। पुलिस टीम ने सूचना के आधार पर दबिश देकर आरोपी आदित्य सोलंकी की दुकान से अवैध गतिविधियों का भंडाफोड़ किया। तलाशी के दौरान मौके से थाना मनावर की फर्जी रबर सील बरामद की गई, जिस पर थाना प्रभारी पुलिस थाना मनावर जिला धार (म.प्र.) फोन नंबर अंकित था। इसके साथ ही एक डेल कंपनी का काले रंग का लैपटॉप मय चार्जर जब्त किया गया, जिसका उपयोग आरोपी फर्जी प्रमाण पत्र बनाने में करता था। मौके से पुलिस ने 29 अगस्त 2026 की तारीख में जारी किए गए दो फर्जी अस्थायी चरित्र प्रमाण पत्रों की छायाप्रतियां भी बरामद की हैं। पुलिस ने पूरी जब्ती कार्रवाई की विधिवत वीडियोग्राफी कराई और उपस्थित पंचों के समक्ष जब्ती पत्रक तैयार किया। इसके बाद आरोपी आदित्य सोलंकी को गिरफ्तारी के कारणों की लिखित सूचना देकर पंचों के समक्ष विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी ने अब तक कितने लोगों को इस तरह के फर्जी प्रमाण पत्र बांटे हैं।

ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव एवं जनपद के अधिकारी नहीं दे रहे ध्यान

सड़क पर मवेशियों का जमावड़ा, वाहन चालकों को रहता है हादसे का खतरा

तारादेही/तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

इन दिनों आवारा मवेशियों की समस्या से मुक्ति नहीं मिल पा रही है शासन प्रशासन के निर्देश के बावजूद भी इनकी आवारागर्दी पर विराम ना लग पाना सोचनीय विषय बना हुआ है आए दिन घटित हो रही विभिन्न प्रकार की घटनाओं दुर्घटनाओं को दृष्टिगत रखते हुए मुख्य सड़क मार्गों पर इन मवेशियों धमाचौकड़ी बनी हुई है। तेन्दूखेड़ा ब्लॉक की ग्राम पंचायत तारादेही और समनापुर में मवेशियों की धमाचौकड़ी बड़ी संख्या जमावड़ा दुर्घटनाओं को आमंत्रण दे रहा है।

रिमझिम बारिश के बीच इन दिनों मुख्य सड़क से मवेशियों झुंड लोगों के लिए परेशानियों का कारण बने हुए हैं। तारादेही समनापुर मार्गों पर सैकड़ों की तादात में आवारा मवेशियों का झुंड लगा रहता है, जिससे लोगों को हादसे का डर बना रहता है, लेकिन इस और ग्राम पंचायत द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है सड़क पर बैठे मवेशी आए दिन बड़े वाहनों के शिकार हो जाते हैं या फिर इन मवेशियों से टकराकर बाइक सवार या फिर कार सवार हादसे के शिकार हो जाते हैं। यह घटनाएं आसपास के क्षेत्रों में अकसर देखने को मिलती रहती हैं। यह समस्या वर्षों से बनी हुई है जिस पर ग्राम पंचायत के सरपंच सचिव और ब्लॉक के अधिकारियों का गैर जिम्मेदाराना रवैया देखनों को मिल रहा है जहां लोगों की सुरक्षा की दृष्टि से कोई इंतेजाम नहीं किए जा रहे हैं, जिससे मवेशी और राहगीर सुरक्षित रह सकें इस और ग्राम पंचायत तारादेही और ग्राम पंचायत समनापुर का कोई ध्यान नहीं है।

रात्रि के समय मुख्य सड़क मार्गों पर हो रहीं बड़ी दुर्घटनाएं

अक्सर कर रात्रि के समय अधिकांश मवेशी मच्छरों के दंश से बचने की दिशा में खुले में बैठा करते हैं जो कि मुख्य सड़क मार्गों पर अधिकांश तौर पर बैठा करते हैं। रात्रि के समय अंधेरा होने की स्थिति में तेज गति से दौड़ने वाले वाहनों के पहिए अचानक ना रुक पाने की स्थिति में इन मवेशियों को रौंदते हुए चले जाते हैं। जिससे आऐ दिन सड़कें खून से रंगी मिला करती हैं और सड़कों के बाजू से सड़ांध भरी दुर्गंध से यात्री नाक सिकोड़ते हुए या मुंह पर रुमाल डालते हुए निकलने को मजबूर हैं।

इन स्थानों पर मवेशियों का रहता है झुंड

इन दिनों सबसे ज्यादा मवेशियों का झुंड तारादेही थाने के पास महाराजपुर तेन्दूखेड़ा चौराहा कोटखेड़ा मार्ग पर स्थित व्यारमा नदी पर बम्हौरी रोड जेतगढ़ चौराहा शिवलाल खमरिया चौराहा इसके अलावा ग्राम दरौली समनापुर खमतरा बिलतरा बमनौदा पौड़ी चंदना कोटखेड़ा धनगौर इन स्थानों पर अकसर मवेशियों के झुंड देखें जा सकते हैं लेकिन इस और ब्लॉक और ग्राम पंचायतों के सरपंच सचिव द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है जिससे मवेशियों सहित राहगीर हादसे के शिकार हो जाते हैं। इस संबंध में प्रभारी जनपद सीईओ एवं तेन्दूखेड़ा एसडीएम सीजी गोस्वामी ने कहा अगर ग्राम पंचायतों की सड़कों पर मवेशी बैठे रहते हैं तो मैं सरपंच सचिव से बात करता हूं और इन मवेशियों को अपने आसपास स्थित गौशाला भेजे मैं दिखवाता हूं।

बिजली तेल और एल्युमिनियम तार चोरी के मामले में तीन आरोपी किए गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

सादलपुर थाना पुलिस ने बिजली तेल और एल्युमिनियम तार चोरी के एक बड़े मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में चोरी का सामान और परिवहन में प्रयुक्त वाहन जप्त किए हैं, जिनकी कुल कीमत करीब 3 लाख 10 हजार रुपये आंकी गई है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 18 अगस्त को फरियादी जयचन्द निवासी भिलेवानी बालाघाट ने थाना सादलपुर में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उनकी सूचना पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए बीएनएस एवं धारा 136 विद्युत अधिनियम, 2003 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर 6 केम्पर वाहनों में भरा हुआ, प्रत्येक में लगभग 40-40 लीटर यानी कुल करीब 240 लीटर बिजली तेल। 1 से 2 क्विंटल कटे-फटे बिजली के एल्युमिनियम तार। चोरी की वारदातों में इस्तेमाल किए जा रहे 6 केम्पर वाहन बरामद कर जितेन्द्र (29) पिता विक्रम सिंह मकवाना, निवासी गोदिया, थाना चिंतामण, उज्जैन, कृष्णा (24) पिता राधेश्याम भाटी, निवासी इन्द्रलोक नगर, थाना औद्योगिक नगर, रतलाम और सोनू (22) पिता कन्हैयालाल, निवासी एवरिया, थाना बिलपांक, जिला रतलाम को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ की जा रही है, ताकि इस अवैध नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों और उनके ठिकानों का भी खुलासा किया जा सके। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक प्रवीण ठाकरे, सहायक उप निरीक्षक राकेश मौर्य, प्रधान आरक्षक राहुल मीणा एवं आरक्षक शैलेन्द्र विश्वकर्मा की महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका रही।

खेल दिवस पर रात्रिकालीन बॉलीबाल प्रतियोगिता में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

स्व. मेजर ध्यानचंद की स्मृति में बॉलीबाल का हुआ आयोजन

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय खेल दिवस के शुभ अवसर पर हॉकी के जादूगर स्वर्गीय मेजर ध्यानचंद जी की पावन स्मृति में मिडिल स्कूल, तेजगढ़ के प्रांगण में एक भव्य रात्रिकालीन वॉलीबॉल प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। दूधिया रोशनी और दर्शकों के जबरदस्त उत्साह के बीच खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में अमन यंग क्लब ए ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन और शानदार तालमेल के बल पर खिताब अपने नाम किया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि जनपद सदस्य हरि सिंह यादव ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा खेल केवल हार-जीत का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, आपसी भाईचारे और शारीरिक स्वास्थ्य का आधार हैं। इस तरह के ग्रामीण आयोजनों से स्थानीय प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का बेहतरीन मंच मिलता है। आयोजक अमन यंग क्लब से गौरी शोएब पठान ने प्रतियोगिता की जानकारी देते हुए बताया कि युवाओं में खेल भावना को बढ़ावा देने और मेजर ध्यानचंद की याद में इस रात्रिकालीन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था, जिसमें खिलाड़ियों और दर्शकों का भरपूर सहयोग मिला।इस अवसर पर क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक और खेल प्रेमी उपस्थित रहे। अतिथियों में मुख्य रूप से पूर्व सरपंच फरमान खान (गुड्डू भैया), उपसरपंच समदई, सुनील सिंह एढ़ाली, राजकुमार साहू, गुग्गा खान, वरिष्ठ खिलाड़ी रजाक चच्चा, रज्जाक मासाब, सुशील मासाब एवं शोएब पठान मौजूद रहे। मैच का आनंद लेने पहुंचे सभी खेल प्रेमियों और ग्रामवासियों के सहयोग से यह आयोजन ऐतिहासिक रहा। अंत में विजेता टीम अमन यंग क्लब ए को बधाई देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मेट्रो एंकर 2 स्वर्ण, 5 रजत और 10 कांस्य के साथ जिले का बढ़ाया मान, 24 खिलाड़ियों ने दिखाया शानदार खेल कौशल

इंदौर में अनूपपुर का दम! कूडो चैंपियनशिप में खिलाड़ियों ने जीते 17 पदक

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश की 11वीं राज्य स्तरीय कूडो चैंपियनशिप में अनूपपुर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले की खेल प्रतिभा का लोहा मनवाया। इंदौर के शुभ शगुन गार्डन में 21 से 23 अगस्त तक आयोजित प्रतियोगिता में प्रदेश के 25 जिलों से करीब 550 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। अनूपपुर से शामिल 24 खिलाड़ियों ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए कुल 17 पदक अपने नाम किए। इनमें 2 स्वर्ण, 5 रजत और 10 कांस्य पदक शामिल हैं। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से जिले के खेल प्रेमियों में खुशी का माहौल है।

श्रेया गुप्ता और मान्या रायदास ने स्वर्ण पदक जीतकर जिले का गौरव बढ़ाया। वहीं अंकित राठौर, साक्षी बैगा, रुद्र प्रताप सिंह, अनिरुद्ध प्रताप सिंह और अर्श राठौर ने रजत पदक हासिल किए। कांस्य पदक

जीतने वालों में शिवानी केसरवानी, भारती मार्को, शिवम राठौड़, रंजीत सिंह सूर्यवंशी, साधना आर्मो, अपूर्वा शर्मा, आयुष सिंह, अरमान सिंह राठौड़, शेखर पोर्टे और आशुतोष द्विवेदी शामिल रहे। खिलाड़ियों की इस सफलता में उनके प्रशिक्षकों की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। कोच श्रेया गुप्ता और शिवानी केसरवानी को उनके मार्गदर्शन के लिए स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। वहीं भारती मार्को और शिवम राठौड़ को वालंटियर के रूप में स्मृति चिह्न प्रदान किया गया। प्रतियोगिता में सारांश मिश्रा, वंदना राठौर, अनुराज गुप्ता, अनिवेशा गोस्वामी, कर्तव्य सिंह राठौड़, प्रगति सिंह और आकांक्षा शर्मा ने भी सहभागिता कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि ने एक बार फिर साबित किया कि अनूपपुर के युवा खेल और मार्शल आर्ट के क्षेत्र में अपनी मजबूत पहचान बना रहे हैं।

जर्मनी ने फिर लहराया परचम...

स्पेन को हराकर चौथी बार बना हॉकी वर्ल्ड चैम्पियन

वाव्रे (बेल्जियम), एजेंसी

जर्मनी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एफआईएच मेन्स हॉकी वर्ल्ड कप 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। वाव्रे के बेल्फियस हॉकी एरिना में खेले गए फाइनल में जर्मनी ने स्पेन को 1-0 को हराया। जर्मनी ने लगातार दूसरी और कुल मिलाकर चौथी बार मेन्स हॉकी वर्ल्ड कप जीता है। इसके साथ ही जर्मनी मेन्स हॉकी वर्ल्ड कप की संयुक्त रूप से सबसे सफल टीम बन गई। पाकिस्तानी टीम भी चार बार ये टूर्नामेंट जीत चुकी है। जर्मनी की टीम इससे पहले कुआलालंपुर (2002), मोंचेंग्लादबाख (2006) और भुवनेश्वर (2023) में आयोजित मेन्स हॉकी वर्ल्ड कप में चैम्पियन बनी थी। वहीं पाकिस्तान ने 1971, 1978, 1982 और 1994 में खिताब जीते।

विजेता का फैसला सिर्फ एक गोल से हुआ, लेकिन जर्मनी की रक्षापंक्ति ने जिस तरह स्पेन के हमलों को रोका, उसने उसे चैम्पियन बना दिया। फाइनल का पहला हाफ गोलरहित रहा। दोनों टीमों को पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन गोलकीपरों और डिफेंस ने किसी को बढ़त नहीं लेने दी। तीसरे क्वार्टर में स्पेन ने आक्रामक तेवर दिखाए और जर्मनी के गोलपोस्ट पर लगातार दबाव बनाया। उसने इस क्वार्टर में 10 हमले किए, लेकिन जर्मन खिलाड़ी हर बार रास्ते में खड़े नजर आए।

वन-डे वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया का बैकअप प्लान तैयार

श्रेयस के विकल्प पर तिलक वर्मा का नाम गेंदबाजी पर भी काम करेगा टीम मैनेजमेंट

नई दिल्ली, एजेंसी

अगले साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप को लेकर भारतीय टीम ने अभी से अपनी तैयारियां शुरू कर दी हैं। टीम मैनेजमेंट और चयनकर्ता मुख्य खिलाड़ियों के साथ-साथ उनके मजबूत विकल्प तैयार करने पर भी ध्यान दे रहे हैं। सबसे ज्यादा चर्चा मिडिल ऑर्डर को लेकर है, जहां श्रेयस अय्यर के बैकअप की तलाश की जा रही है। इस दौड़ में युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा का नाम तेजी से सामने आया है। टीम मैनेजमेंट तिलक को टॉप-6 में श्रेयस अय्यर के विकल्प के तौर पर तैयार करने पर विचार कर रहा है। तिलक के बाएं हाथ के बल्लेबाज होने से टीम के बल्लेबाजी क्रम में विविधता आएगी। इसके अलावा उनकी ऑफ स्पिन को भी निखारने की योजना है, ताकि जरूरत पड़ने पर वह कुछ ओवर गेंदबाजी करके टीम के लिए उपयोगी साबित हो सकें।

मिडिल ऑर्डर में भरोसेमंद विकल्प की तलाश- रिपोर्ट के मुताबिक, मुख्य कोच गौतम गंभीर और कप्तान शुभमन गिल का मानना है कि मिडिल ऑर्डर के लिए फिलहाल ऐसा मजबूत बैकअप तैयार नहीं है, जिस पर बड़े टूर्नामेंट में आसानी से भरोसा किया जा सके। खास चिंता ऐसे खिलाड़ी को लेकर है, जो बल्लेबाजी के साथ गेंदबाजी की जिम्मेदारी भी संभाल सके। हार्दिक पंड्या और नीतीश कुमार रेड्डी की फिटनेस को लेकर बनी चिंताओं के बीच टीम ऐसा विकल्प चाहती है, जो टॉप-6 में बल्लेबाजी करने के साथ जरूरत पड़ने पर करीब चार ओवर भी कर सके। पिछले कुछ समय में टीम को संतुलन बनाने के लिए अक्षर पटेल और वॉशिंगटन सुंदर जैसे खिलाड़ियों को बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजना पड़ा है। अब टीम मैनेजमेंट इस तरह के समझौते से बचना चाहता है।

तिलक की गेंदबाजी पर भी नजर

तिलक वर्मा को सिर्फ बल्लेबाज के रूप में नहीं देखा जा रहा है। टीम मैनेजमेंट उनकी ऑफ स्पिन को भी गंभीरता से लेना चाहता है। अगर तिलक अपनी गेंदबाजी पर लगातार काम करते हैं और चार-पांच ओवर भरोसे के साथ निकालने लगते हैं, तो वह वनडे टीम के लिए काफी उपयोगी साबित हो सकते हैं। भारतीय टॉप ऑर्डर में दाएं हाथ के बल्लेबाजों की संख्या ज्यादा है। ऐसे में बाएं हाथ के तिलक टीम के बल्लेबाजी क्रम में अच्छा संतुलन ला सकते हैं। विपक्षी टीमों को भी बाएं-दाएं हाथ के संयोजन के कारण अपनी गेंदबाजी रणनीति बदलनी पड़ सकती है।

खिलाड़ियों को उनकी स्वाभाविक भूमिका में तैयार करने की योजना| चयनकर्ता अब खिलाड़ियों को जरूरत के हिसाब से अलग-अलग नंबर पर खिलाने के बजाय उनकी स्वाभाविक भूमिका में तैयार करने पर जोर दे रहे हैं। पिछले साल ऋतुराज गायकवाड़ को नंबर-4 पर मौका दिया गया था। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रायपुर में शतक भी लगाया, लेकिन इसके बाद वह वनडे टीम में दिखाई नहीं दिए। टीम मैनेजमेंट का मानना है कि अगर कोई खिलाड़ी ओपनिंग में अपनी जगह बना रहा है तो उसे उसी भूमिका में तैयार करना ज्यादा बेहतर होगा। इसी वजह से देवदत्त पडिक्कल को भी जल्दबाजी में वनडे टीम में शामिल करने के बजाय सही समय का इंतजार किया जा रहा है।

श्रेयस की शॉर्ट पिच गेंदों के खिलाफ कमजोरी पर भी चर्चा

अगला वनडे वर्ल्ड कप अफ्रीकी महाद्वीप में होना है। ऐसे में टीम मैनेजमेंट वहां की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अभी से खिलाड़ियों को तैयार करना चाहता है। तेज गेंदबाजी, उछाल और शॉर्ट पिच गेंदों के खिलाफ बल्लेबाजों की क्षमता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। श्रेयस अय्यर पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे पर चोटिल हुए थे। इसके अलावा शॉर्ट पिच गेंदों के खिलाफ उनकी कमजोरी को लेकर भी टीम के भीतर चर्चा है। वहीं रोहित शर्मा और विराट कोहली अपने करियर के आखिरी दौर में हैं। केएल राहुल भी वर्ल्ड कप तक 35 वर्ष से अधिक के हो जाएंगे।

जडेजा पर भी पूरी तरह निर्भर नहीं रहना चाहता टीम प्रबंधन

रवींद्र जडेजा को भी टीम में निश्चित विकल्प नहीं माना जा रहा है। फिटनेस से जुड़ी चिंताओं का असर उनकी फील्डिंग पर भी दिखाई दिया है। ऐसे में चयनकर्ता चाहते हैं कि वर्ल्ड कप से पहले हर महत्वपूर्ण स्थान के लिए कम से कम एक मजबूत बैकअप तैयार रहे। टीम की तैयारियां अक्टूबर में न्यूजीलैंड दौरे के दौरान और स्पष्ट रूप ले सकती हैं। इससे पहले 27 सितंबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जानी है। इसी दौरान भारत की मजबूत टी20 टीम एशियन गेम्स के लिए जापान जाएगी। ऐसे में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में युवा और बैकअप खिलाड़ियों को अधिक मौके मिलने की संभावना है। इस सीरीज के लिए श्रेयस अय्यर, तिलक वर्मा, ईशान किशन और अक्षर पटेल उपलब्ध नहीं होंगे। ऐसे में चयनकर्ताओं की नजर एक अतिरिक्त विकेटकीपर तैयार करने पर भी रहेगी। कुल मिलाकर वर्ल्ड कप में अभी समय है, लेकिन टीम इंडिया ने साफ कर दिया है कि इस बार किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर रहने के बजाय हर बड़े स्थान के लिए मजबूत बैकअप तैयार करने की रणनीति पर काम किया जा रहा है।

गावी के एक मैच के प्रतिबंध पर भी उठाए सवाल

बैन से भड़के परेडेस, बोले- 'सजा बहुत ज्यादा है', अब अपील की तैयारी में

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी

विश्व कप फाइनल के बाद हुए विवाद में 10 मैचों के लिए प्रतिबंधित किए गए अर्जेंटीना के स्टार मिडफील्डर लिएंड्रो परेडेस इस सजा से खुश नहीं हैं। फीफा की अनुशासन समिति ने स्पेन के खिलाफ फाइनल के बाद हुए विवाद में उनकी भूमिका को देखते हुए 10 मैचों का निलंबन लगाया है। परेडेस ने अब इस फैसले को जरूरत से ज्यादा बताते हुए संकेत दिया है कि अर्जेंटीना फुटबॉल संघ इसके खिलाफ अपील कर सकता है।

फाइनल के बाद हुआ था विवाद

विश्व कप फाइनल में स्पेन ने अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर खिताब अपने नाम किया था। फेरान टोरेस ने अतिरिक्त समय में निर्णायक गोल किया। मुकाबला खत्म होने के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच तनातनी बढ़ गई और विवाद की स्थिति पैदा हो गई। इसके बाद फीफा ने मामले की जांच कर कई खिलाड़ियों और अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की।

'मुझे लगता है सजा ज्यादा है'

परेडेस ने कहा कि उन्हें यह सजा अतिशयोक्तिपूर्ण लगती है। उन्होंने स्पेन के युवा खिलाड़ी गावी को मिली सिर्फ एक मैच की सजा का भी जिक्र किया। परेडेस के मुताबिक, गावी ने उनके सीने पर मुक्का मारा था, फिर भी उसे केवल एक मैच का प्रतिबंध मिला। अर्जेंटीना के मिडफील्डर ने कहा कि अब उनकी टीम के पास अपील करने का रास्ता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि मामले को देखने के बाद सजा में कमी की संभावना हो सकती है। फीफा ने परेडेस पर 10 मैचों का प्रतिबंध लगाने के साथ 90 हजार अमेरिकी डॉलर का जुर्माना भी लगाया है। वहीं गावी को एक मैच के निलंबन और 30 हजार डॉलर के जुर्माने की सजा मिली है।

सूर्यवंशी ने कप्तानी में दिखाया कमाल पहला डीआरएस ही बना मास्टरस्ट्रोक

बेंगलुरु। उम्र महज 15 साल, लेकिन क्रिकेट की समझ किसी अनुभवी खिलाड़ी जैसी। वैभव सूर्यवंशी ने दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में अचानक मिली कप्तानी की जिम्मेदारी के दौरान अपनी शानदार सूझबूझ का परिचय दिया। सेंट्रल जोन के खिलाफ मुकाबले में ईस्ट जोन के लिए कप्तानी कर रहे वैभव ने अपना पहला डीआरएस लिया और यह फैसला बिल्कुल सही साबित हुआ। उनके रिव्यू के बाद मैदानी अंपायर को अपना फैसला बदलना पड़ा। बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के मैदान पर खेले जा रहे मुकाबले में यह घटना सेंट्रल जोन की पारी के 40वें ओवर में हुई। मुकेश कुमार की गेंद पर आर्यन जुयाल के खिलाफ कैच की अपील हुई, लेकिन मैदानी अंपायर ने इसे नकार दिया। स्लिप में खड़े वैभव को पूरा भरोसा था कि गेंद बल्ले से लगी है। मुकेश कुमार ने भी कप्तान को रिव्यू लेने के लिए कहा। वैभव ने बिना देर किए डीआरएस लेने का फैसला किया। रिप्ले में अल्ट्राएज पर गेंद के बल्ले के पास से गुजरते समय साफ हलचल दिखाई दी। इसके बाद तीसरे अंपायर ने मैदानी अंपायर का फैसला बदल दिया।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

मोनालिसा ने भोजपुरी सिनेमा पर उठे सवालों का दिया जवाब, बोलीं- पूरी इंडस्ट्री को ऐसे न आंकें

भोजपुरी सिनेमा की चर्चित अभिनेत्री मोनालिसा ने भोजपुरी इंडस्ट्री को लेकर होने वाली आलोचनाओं पर खुलकर अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा कि कुछ म्यूजिक वीडियो या गानों में दिखने वाले ग्लैमर के आधार पर पूरी भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री को एक ही नजर से देखना सही नहीं है। उनके मुताबिक, भोजपुरी फिल्मों की कहानी और उनका प्रस्तुतिकरण कई बार म्यूजिक वीडियो से बिल्कुल अलग होता

बातचीत में मोनालिसा ने कहा कि वह कई वर्षों से भोजपुरी सिनेमा को लेकर इस तरह की बातें सुनती आ रही हैं। उनके अनुसार, इंटरनेट पर तेजी से वायरल होने वाले कुछ म्यूजिक वीडियो लोगों की सोच पर ज्यादा असर डालते हैं। ऐसे वीडियो को लाखों-करोड़ों व्यूज मिलने के बाद कई लोग उसी के आधार पर पूरी भोजपुरी इंडस्ट्री के बारे में राय बना लेते हैं। मोनालिसा ने कहा कि हर भोजपुरी फिल्म को एक ही नजर से देखना ठीक नहीं है। उन्होंने माना कि कुछ एल्बम और म्यूजिक वीडियो में ग्लैमर या बोल्ड कंटेंट अधिक दिखाई दे सकता है, लेकिन फिल्मों का विषय, कहानी और उनका ट्रीटमेंट अलग होता है। अभिनेत्री ने भोजपुरी फिल्मों के कलाकारों का बचाव करते हुए कहा कि इंडस्ट्री में कई अच्छे कलाकार मौजूद हैं और वे फिल्मों में ईमानदारी से काम करते हैं। उनका कहना है कि किसी एक तरह के कंटेंट के आधार पर पूरी इंडस्ट्री की प्रतिभा और मेहनत को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

रीजनल सिनेमा को मिल रहा बड़ा मंच

मोनालिसा ने देश में तेजी से मजबूत हो रहे क्षेत्रीय सिनेमा पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि अब दर्शकों का ध्यान सिर्फ हिंदी फिल्मों तक सीमित नहीं है। अलग-अलग राज्यों की क्षेत्रीय भाषाओं में बनने वाली फिल्मों को देश के दूसरे हिस्सों में भी दर्शक मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय सिनेमा के कलाकारों को भी पहले के मुकाबले बड़ा मंच मिल रहा है। दक्षिण भारतीय और बंगाली सिनेमा लंबे समय से अपनी मजबूत पहचान बनाए हुए हैं, जबकि दूसरी क्षेत्रीय फिल्म इंडस्ट्री भी लगातार आगे बढ़ रही हैं। मोनालिसा ने अपने करियर के बारे में बताते हुए कहा कि उन्होंने क्षेत्रीय पृष्ठभूमि से आने के बावजूद काफी पहले राष्ट्रीय मनोरंजन जगत में अपनी पहचान बनाने की कोशिश शुरू कर दी थी।

नवाजुद्दीन का माइक हुआ बंद, श्रुति ने पल भर में संभाला मंच; बोलीं- 'थिएटर में कोई रीटेक नहीं'

अभिनेत्री श्रुति देशपांडे ने नाटक नकाब में नवाजुद्दीन सिद्दीकी और उनकी बेटी शोरा सिद्दीकी के साथ काम करने के दौरान मिली सीख और अनुभव को आईएएनएस संग साझा किया। उन्होंने बताया कि नवाजुद्दीन के साथ काम करते हुए उन्होंने प्रेजेंस ऑफ माइंड यानी मौके के हिसाब से तुरंत फैसला लेने और खुद को संतुलित रखने की कला सीखी। श्रुति ने कहा, नवाजुद्दीन के साथ काम करते हुए मुझे सबसे बड़ी सीख प्रेजेंस ऑफ माइंड की मिली। थिएटर में चीजें प्लान के मुताबिक चलें, यह जरूरी नहीं है। स्टेज पर किसी भी वक्त कोई समस्या आ सकती है और कलाकार को बिना घबराए उसका समाधान निकालना पड़ता है।

शिकागो के शो का किस्सा याद करते हुए श्रुति ने बताया, उस दिन थिएटर में करीब एक हजार लोग मौजूद थे। परफॉर्मेंस के दौरान अचानक नवाजुद्दीन का माइक्रोफोन खराब हो गया। दर्शकों को उनकी आवाज सुनाई नहीं दे रही थी, इसलिए वे शोर करने लगे। लाइव स्टेज पर ऐसी स्थिति कलाकार के लिए काफी मुश्किल होती है। उस वक्त नवाजुद्दीन को अपनी आवाज का प्रोजेक्शन बढ़ाकर ज्यादा तेज बोलना पड़ा। लेकिन किसी भी अभिनेता की आवाज को एक सीमा तक ही ऊंचा किया जा सकता है।

ऐसे में बाकी कलाकारों ने भी उनकी मदद करने के लिए अपनी आवाज का वॉल्यूम एडजस्ट किया।श्रुति ने कहा, चूंकि यह नवाजुद्दीन का पहला थिएटर एक्सपीरियंस था और मैं कई सालों से थिएटर कर रही थी, इसलिए मुझे पता था कि उस समय मुझे जिम्मेदारी लेनी होगी। मैंने कुछ हद तक इम्प्रोवाइज किया और हमने तकनीकी समस्या और उस छोटे ब्रेक को संभाल लिया। इसके बाद हमने दोबारा परफॉर्मेंस शुरू कर दी। श्रुति ने कहा, थिएटर और फिल्मों के काम करने के तरीके में यही सबसे बड़ा फर्क है। स्क्रीन पर अगर कोई सीन सही नहीं होता तो उसे दोबारा शूट किया जा सकता है, लेकिन स्टेज पर ऐसा कोई विकल्प नहीं होता।

मेट्रो बाजार

'एक देश, एक समय'-सरकार ने आईएसटी को सामान्य समय बनाने के लिए नियम अधिसूचित किए

नई दिल्ली। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने लीगल मेट्रोलॉजी (इंडियन स्टैंडर्ड टाइम) नियम, 2026 अधिसूचित कर दिए हैं। इसके साथ ही पूरे देश में कानूनी, प्रशासनिक, वाणिज्यिक और अन्य आधिकारिक उद्देश्यों के लिए भारतीय मानक समय (आईएसटी) को सामान्य समय (कॉमन टाइम) बनाने का रास्ता साफ हो गया है। इन नियमों को 27 अगस्त को अधिसूचित किया गया और ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने के 180 दिन बाद लागू होंगे। यह अवधि सरकारी विभागों, कारोबारों, संस्थानों और अन्य संगठनों को अपनी प्रणालियों और प्रक्रियाओं में जरूरी बदलाव करने के लिए समय देने के उद्देश्य से रखी गई है। यह कदम तकनीक आधारित प्रणालियों में सटीक और समन्वित समय की बढ़ती जरूरत के बीच उठाया गया है। बैंकिंग और डिजिटल भुगतान, दूरसंचार, रेलवे, बिजली नेटवर्क, कंप्यूटर सिस्टम और सरकारी रिकॉर्ड तेजी से सटीक टाइमस्टैम्प पर निर्भर हो रहे हैं। ऐसे में समय की गणना में एकरूपता इन प्रणालियों के सुचारू संचालन के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। नई व्यवस्था के तहत सामान्य समय से बैंकिंग और डिजिटल भुगतान लेनदेन में टाइमस्टैम्प की सटीकता बेहतर होने की उम्मीद है। साथ ही, यह रेलवे और हवाई अड्डों जैसी परिवहन प्रणालियों के बीच बेहतर समन्वय में मदद करेगा और दूरसंचार एवं इंटरनेट नेटवर्क की विश्वसनीयता को मजबूत करेगा।

भारत के लिए रूस बड़े पेट्रोल निर्यात गंतव्य के रूप में उभरा, शिपमेंट एक मिलियन बैरल पहुंची

नई दिल्ली । भारत के लिए रूस एक बड़े पेट्रोल निर्यात गंतव्य के रूप में उभरा है और बीते दो महीने में देश ने करीब एक मिलियन बैरल की शिपमेंट की है। इसकी वजह रूसी रिफाइनरियों पर यूक्रेन की ओर से लगातार हमले करना है, जिससे रूस को घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पेट्रोल को आयात करना पड़ रहा है। यह जानकारी शिप-ट्रैकिंग फर्म वोर्टेक्सा की रिपोर्ट में दी गई।

रिपोर्ट के मुताबिक, अगस्त में रूस का समुद्री रास्ते से होने वाला पेट्रोल आयात बढ़कर रिकॉर्ड 470,000 टन हो गया। यूक्रेन के ड्रोन हमलों के कारण रूसी इलाके के अंदर रिफाइनरियों के बंद होने से ईंधन की कमी हो गई है, जिसकी वजह से स्थानीय फिलिंग स्टेशनों पर कारों की लंबी लाइनें देखी जा रही हैं। रूस में घरेलू ईंधन उत्पादन में 70 प्रतिशत तक की गिरावट आई है। इस भारी कमी से निपटने के लिए रूस को पेट्रोल और डीजल के निर्यात पर रोक लगा दी है। वोर्टेक्सा ने बताया कि जुलाई और अगस्त के दौरान रूसी रिफाइनरियों पर 32 हमले हुए।

रूस में ईंधन के घरेलू उत्पादन की कमी को पूरा करने में मदद करने वाले अहम आपूर्तिकर्ताओं में तुर्की और मोरक्को के साथ-साथ भारतीय रिफाइनर भी शामिल थे। ट्रेड से जुड़े सूत्रों ने बताया कि भारत की ज्यादातर आपूर्ति गुजरात के तट पर स्थित नायरा एनर्जी की वाडिनार रिफाइनरी से आई, जिसमें रूस की बड़ी तेल कंपनी रोजनेफ्ट की हिस्सेदारी है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि ग्लोबल रिफाइनिंग क्षमता को लेकर अनिश्चितता के बावजूद, भारत दुनिया के तीसरे सबसे बड़े रिफाइनर के तौर पर अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है और अपनी क्षमता को 272 एमएमटीपीए से बढ़ाकर 300 एमएमटीपीए करने जा रहा है।

शहडोल में बाणसागर बांध के 8 गेट खुले

जलस्तर खतरे के निशान तक पहुंचा | प्रशासन ने गांवों को किया अलर्ट

शहडोल। दोपहर मेट्रो

जिले का बाणसागर बांध इस सीजन में पहली बार पूरी क्षमता पर पहुंच गया। बांध 100 प्रतिशत भर चुका है। पिछले साल इसी दिन जलस्तर 341.47 मीटर था। बांध प्रबंधन से मिली जानकारी के अनुसार, बांध में लगातार पानी की आवक बनी हुई है। आज सुबह तक इनफ्लो 3373.89 क्यूमेक दर्ज किया गया है। सुरक्षा को देखते हुए 3373.89 क्यूमेक पानी डिस्चार्ज किया जा रहा है। आठों गेट को 2-2 मीटर तक खोला गया है। इन 8 गेटों से ही 3277 क्यूमेक पानी सोन नदी में छोड़ा जा रहा है।

इसमें पावर हाउस-3 से 89.89 क्यूमेक, स्पिलवे से 3277 क्यूमेक, आरबीस और भितरी से 1-1 क्यूमेक और वाष्पीकरण से 5 क्यूमेक पानी की निकासी हो रही है।

गांवों में अलर्ट

देवलौंद स्टेशन पर सोमवार सुबह 8 बजे तक 17.78 मिमी बारिश दर्ज की गई। इस सीजन की कुल बारिश 748.45 मिमी हो चुकी है। प्रशासन ने नदी किनारे बसे गांवों में अलर्ट जारी किया है। लोगों से नदी के पास न जाने की अपील की है। कार्पलन यंत्री एसके शर्मा ने बताया, आज सुबह दो गेट और खोल दिए गए हैं।

न्यूज विंडो

जलती दुकान की रिकॉर्डिंग महिला को मौत की सजा

तेहरान। ईरान में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के दौरान एक सुपरमार्केट में लगी आग का वीडियो बनाने और तस्वीरें खींचने वाली 43 वर्षीय महिला लीला अबोलहसानी को इस्लामिक कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई है।

अधिकारियों ने उन पर आगजनी में शामिल होने और मोहरेबेह यानी ईश्वर के खिलाफ युद्ध का झूठा आरोप लगाया है, जबकि परिवार का कहना है कि वे केवल आग की घटना को रिकॉर्ड कर रही थीं। यह क्रूर मामला इस साल जनवरी में हुए बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शनों पर ईरान सरकार की दमनकारी कार्रवाई का हिस्सा है, जिसे लेकर दुनियाभर के मानवाधिकार संगठनों द्वारा गंभीर चिंता जताई जा रही है।

पंजाब दौरे पर पूनिया, अकाली दल और BJP के गठबंधन पर करेंगे चर्चा

चंडीगढ़। पंजाब भाजपा के नए प्रदेश प्रभारी डा सतीश पूनिया सोमवार से अपने तीन दिवसीय पंजाब दौरे की शुरुआत करेंगे। प्रदेश प्रभारी की जिम्मेदारी संभालने के बाद यह उनका पहला पंजाब दौरा है।दौरे को आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के साथ-साथ संगठन के भीतर समन्वय मजबूत करने के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पूनिया पंजाब में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद कर जमीनी स्थिति की जानकारी लेंगे।डॉ पूनिया पहले दिन चंडीगढ़ में प्रदेश पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद मंगलवार को वह जालंधर और दौरे के अंतिम दिन अमृतसर में रहेंगे। दोनों शहरों में वह कार्यकर्ताओं से लेकर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं तक के साथ बैठकें करेंगे।इस दौरान प्रदेश भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों भी उनके साथ रहेंगे। बैठकों में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर पार्टी की तैयारियों, संगठन की स्थिति और आगे की रणनीति पर विस्तार से चर्चा होगी पंजाब में भाजपा और शिरोमणि अकाली दल के बीच संभावित गठबंधन को लेकर भी राजनीतिक गतिविधियां तेज हैं।

ओडिशा में नया नियम: पत्नी को गुजारा भत्ता नहीं दिया तो कट जाएगी सैलरी

भुवनेश्वर। ओडिशा सरकार ने अलग रह रही पत्नी और बच्चों को अदालत के आदेश के बावजूद गुज़ारा भत्ता (एलिमनी) नहीं देने वाले सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ कड़ा कदम उठाया है।मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के निर्देश पर अब ऐसे कर्मचारियों के वेतन से बकाया गुज़ारा भत्ता सीधे काटकर संबंधित पत्नी या बच्चों के बैंक खाते में जमा कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी बयान में कहा गया कि राज्य सरकार अदालत के आदेशों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए नई व्यवस्था लागू कर रही है।इसके तहत यदि कोई सरकारी कर्मचारी न्यायालय के स्पष्ट निर्देश के बावजूद गुज़ारा भत्ता देने में लापरवाही करता है, तो उसकी मासिक सैलरी से निर्धारित राशि स्वतः काट ली जाएगी।मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा कि राज्य के खजाने से वेतन पाने वाले कर्मचारियों द्वारा अपने जीवनसाथी और बच्चों के साथ अन्यायपूर्ण व्यवहार किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है।

वॉशिंगटन में बोलीं वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

'चुनौतियों पर भारी आर्थिक रफ्तार', मंत्री ने बताया किसान व परिवार कैसे सुरक्षित रहे

वॉशिंगटन, एजेंसी

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने मजबूती साबित करते हुए देश के आम नागरिकों के हितों की रक्षा की है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शिकागो में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत ने वैश्विक घटनाक्रमों पर लगातार नजर रखने के साथ अपनी घरेलू जरूरतों को केंद्र में रखा। इसी का परिणाम है कि दुनिया भर के संकटों के बावजूद भारतीय किसान, घरेलू परिवार और लॉजिस्टिक्स व्यवस्था पूरी तरह सुरक्षित रहे हैं। जहां कई देशों के आर्थिक अनुमान लड़खड़ा गए, वहीं भारत ने अपनी सीमाओं के बावजूद चुनौतीपूर्ण माहौल में अपने नागरिकों को सुरक्षित रखा।

भारत ने कोविड-19 महामारी के बाद से 7 प्रतिशत से अधिक की जीडीपी ग्रोथ बनाए रखी है, और इस वर्ष भी विकास दर इसी दायरे में रहेगी। यह ग्रोथ कोविड-19, रूस-यूक्रेन युद्ध, टैरिफ अनिश्चितताओं और ईरान-अमेरिका संघर्ष जैसी गंभीर वैश्विक चुनौतियों के बावजूद हासिल की गई है। राजकोषीय अनुशासन पर वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य 2030 तक सरकारी उधारी को जीडीपी के 50 प्रतिशत के स्तर पर लाना है। कई विकसित देशों का कर्ज इस समय उनकी जीडीपी के 200 प्रतिशत से अधिक है, जबकि भारत ने अपने वित्तीय लक्ष्यों को पूरा किया है। मंत्री जी-20 वित्त मंत्रिस्तरीय बैठक के लिए अमेरिका के एशविले शहर में थीं।

बिना समाज कल्याण में कटौती किए कैसे सुधर रही क्रेडिट रेटिंग...

वित्त मंत्री ने कहा, क्रेडिट रेटिंग में सुधार सामाजिक कल्याण योजनाओं के संसाधनों में कटौती करके नहीं किया जा रहा है। इसके विपरीत, सरकार उचित आर्थिक प्रबंधन और वित्तीय अनुशासन के बल पर क्रेडिट रेटिंग को बेहतर बना रही है ताकि कल्याणकारी योजनाओं पर कोई आंच न आए।

विकसित भारत 2047' के लक्ष्य पाने के लिए सुधारों की गति और पैमाने बढ़ाने की जरूरत

वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य पर वित्त मंत्री ने कहा कि सुधारों की गति और पैमाने को बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने प्रवासी भारतीयों से तीन क्षेत्रों में समर्थन मांगा। वैश्विक अनुभव रखने वाले प्रतिभाशाली लोग, देश को आगे बढ़ाने के लिए नए विचार और पूंजी निवेश।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर क्या ?

वित्त मंत्री ने कहा है कि अमेरिका के साथ बहुप्रतीक्षित व्यापार समझौते पर अंतिम दौर की बातचीत चल रही है, जो द्विपक्षीय व्यापारिक संबंधों को नई ऊंचाई प्रदान करेगा। वित्त मंत्री का यह संबोधन वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत की मजबूत आर्थिक स्थिति को दर्शाता है। सख्त वित्तीय अनुशासन, लगातार 7% से अधिक की आर्थिक विकास दर और कल्याणकारी योजनाओं के संतुलन ने देश की आर्थिक सुरक्षा और विकसित भारत के संकल्प को मजबूत किया है। वित्त मंत्री जी-20 वित्त मंत्रिस्तरीय बैठक के लिए उत्तरी कैरोलिना के एशविले शहर में पहुंचीं, जहां पश्चिम एशिया और यूरोप में चल रहे संघर्षों की पृष्ठभूमि में वैश्विक विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया।

गाजीपुर में गैस रिसाव से लगी आग, कमरे में मौजूद दो बच्चों की जलकर हुई मौत

गाजीपुर। जमानियां कोतवाली के देवढ़ी गांव में सोमवार की सुबह सात बजे एक हृदय विदारक घटना घटी। गैस रिसाव की वजह से कमरे में आग लगने से दो बच्चों की जलकर मौके पर ही मौत हो गई। घटना से स्वजन में चीख पुकार मच गई। ग्रामीणों के अथक प्रयास से आग पर काबू पाया गया।

देवढ़ी गांव निवासी ट्रक ड्राइवर संजय शर्मा के मकान में सोमवार की सुबह सात बजे गैस रि?साव के बाद आग लग गई। कमरे में बाइक खड़ी थी जिसमें आग पहले लगी और धीरे धीरे आग ने और विकराल रूप ले लिया। आग से घिरा देख कमरे में ही मौजूद संजय का बड़ा पुत्र विशाल शर्मा (12) व बगल के ही मुन्नी लाल यादव का बड़ा पुत्र सुंदरम यादव (10) आग से बचने से कमरे में बने पटनी पर चढ़ गए लेकिन आग की चपेट में आने से दोनों की जलकर मौत हो गई।

कांग्रेस का भाजपा पर तीखा हमला

'एफआइआर से नहीं डरेंगे, जातिवादी मानसिकता के खिलाफ लड़ाई जारी'

नई दिल्ली। उत्तराखंड के हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की सभा के बाद कथित 'शुद्धिकरण' कार्यक्रम को लेकर राहुल गांधी के बयान पर दर्ज एफआईआर के बाद कांग्रेस ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। पार्टी ने कहा कि वह इस कार्रवाई का लोकतांत्रिक और कानूनी तरीके से जवाब देगी। कांग्रेस ने साफ कहा कि जातिवादी मानसिकता के खिलाफ उसकी लड़ाई पूरी ताकत से जारी रहेगी।

कांग्रेस महासचिव और उत्तराखंड प्रभारी कुमारी सैलजा ने एफआईआर को लेकर भाजपा सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि खरगे की सभा के बाद कथित शुद्धिकरण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई, लेकिन राहुल गांधी के खिलाफ मामला दर्ज कर दिया गया, जिन्होंने इस घटना के खिलाफ आवाज उठाई थी। सैलजा ने आरोप लगाया कि पहले शुद्धिकरण कार्यक्रम किया गया और फिर उत्तराखंड भाजपा अध्यक्ष ने सार्वजनिक रूप से उसका बचाव किया। अब राहुल गांधी ने जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की तो उनके खिलाफ ही एफआईआर दर्ज कर दी गई।

उज्जैन: अघोरी महिला का खौफनाक कृत्य, जलती चिता से मांस खाने का दावा, गुस्साए साधु-संतों ने की कार्रवाई की मांग

उज्जैन। धार्मिक नगरी उज्जैन से सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। वीडियो में खुद को अघोरी और किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बताने वाली काली उर्फ नंद गिरी श्मशान घाट में जलती चिता से कुछ निकालकर खाती नजर आ रही हैं। वीडियो सामने आने के बाद संत समाज और आम लोगों में नाराजगी जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि वीडियो महिला के इंस्टाग्राम अकाउंट से साझा किया गया था।

वायरल वीडियो में महिला यह कहते हुए नजर आती है कि वह चिता से मांस खाएगी। इसके बाद वह हाथ में तलवार लेकर जलती चिता के पास जाती और उसमें से कुछ निकालकर खाने का दावा किया जा रहा है। हालांकि वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है। वीडियो सामने आने के बाद उज्जैन के साधु-संतों और अघोर परंपरा से जुड़े लोगों ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई है।

वायरल वीडियो की पुष्टि दोपहर मेट्रो नहीं करता।

संतों ने जताई नाराजगी

जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर शैलेशानंद गिरी महाराज सहित अन्य संतों ने इस कृत्य की निंदा की है। उनका कहना है कि शव और अंतिम संस्कार से जुड़ी मर्यादाओं का उल्लंघन करना गंभीर विषय है और इसे सनातन परंपरा के अनुरूप नहीं माना जा सकता। वहीं अघोर अखाड़े के प्रमुख बाबा विष्णु नाथ ने भी घटना की निंदा करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर लाइक्स, व्यूज और फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए अघोर परंपरा का इस तरह प्रदर्शन करना उसकी गरिमा को ठेस पहुंचाता है। उन्होंने यह भी दावा किया कि प्रारंभिक स्तर पर इस महिला का किसी मान्य अघोर गुरु या परंपरा से जुड़ाव सामने नहीं आया है।

मेट्रो एंकर | **हिंद महासागर में बढ़ाएगा भारत का दबदबा**

नौसेना से जुड़ा 80% स्वदेशी तकनीक से बना INS निपुण

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय नौसेना के बेड़े में एक नया और बेहद शक्तिशाली सदस्य शामिल हो गया है, जिससे भारत की समुद्री सुरक्षा और गहरे समुद्र में पनडुब्बी बचाव अभियानों को एक नया आयाम मिलने वाला है। भारतीय नौसेना के स्वदेशी डाइविंग सपोर्ट वेसल (डीएसवी) आईएनएस निपुण को आज (31 अगस्त 2026) को मुंबई के नेवल डॉकयार्ड में आयोजित होने वाले एक औपचारिक समारोह में कमीशन (सेवा में शामिल) किया गया।

आईएनएस निपुण भारतीय नौसेना का निस्तार-क्लास का डाइविंग सपोर्ट जहाज है, जिसका निर्माण सार्वजनिक क्षेत्र की रक्षा कंपनी हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड (एचएसएल), विशाखापत्तनम की ओर से किया गया है और इसे 30 जुलाई 2026 को भारतीय नौसेना को सौंपा गया था, जिसके बाद से ही इसका

परीक्षण और इसे नौसेना में शामिल करने की अंतिम तैयारियां जारी थीं।

आईएनएस निपुण का कमीशन होना रक्षा क्षेत्र में भारत की 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के तहत घरेलू जहाज निर्माण क्षमता में एक बहुत बड़ा मील का पत्थर है। संस्कृत शब्द निपुण का अर्थ होता है- 'किसी कठिन कार्य में बेहद कुशल या पारंगत' और यह पोत अपनी क्षमताओं से इस नाम को पूरी तरह सार्थक करेगा।

इस जटिल और विशेष रूप से डिजाइन किए गए पोत के निर्माण में 75% से 80% तक स्वदेशी कल-पुर्जों और प्रणालियों का इस्तेमाल किया गया है। इसका डिजाइन और निर्माण इंडियन रजिस्टर ऑफ शिपिंग (आईआरएस) के वर्गीकरण नियमों के तहत किया गया है।

नौसेना की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, इस पोत की असली ताकत इसकी गति नहीं, बल्कि समुद्र में अत्यधिक लंबे समय तक टिके रहने का इसका असाधारण धैर्य है, जो इसे गहरे समुद्र के जटिल अभियानों को पूरा करने में सक्षम बनाता है।

सैचुरेशन डाइविंग सिस्टम

गहरे समुद्र में सामान्य गोताखोरी गोताखोरों के शरीर पर भारी दबाव डालती है और बार-बार ऊपर-नीचे आने से उन्हें जानलेवा बीमारी- 'डीकंप्रेशन सिकनेस' या जिसे 'द बेंड्स' भी कहते हैं, हो सकती है। आईएनएस निपुण पर गोताखोरों के रहने के लिए एक विशेष दबावयुक्त चेंबर बनाया गया है, जो समुद्र की गहराई जितना दबाव अंदर बनाए रखता है। गोताखोर इस चेंबर में रहकर बिना किसी शारीरिक नुकसान के कई दिनों या हफ्तों तक गहराई में लगातार मरम्मत, खोज और अन्य जटिल काम के लिए तैयार रह सकते हैं। इसके साथ ही यह पोत हीलियम-ऑक्सीजन (हीलियॉक्स) मिश्रित गैस के माहौल में भी गोताखोरों को तैयार करता है।अगर समुद्र की गहराई में कोई पनडुब्बी दुर्घटनाग्रस्त हो जाती है, तो उसमें फंसे नाविकों की जान बचाने के लिए यह पोत गहन जलमग्नता बचाव वाहन (डीएसआरवी) के लिए एक मदर शिप यानी मुख्य जहाज की भूमिका निभाएगा।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524